वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 329 मंगलवार 5 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार, असम में हैट्रिक
तमिलनाडु में नई राजनीतिक धुरी, केरल में कांग्रेस की वापसी

पांच राज्यों के चुनाव परिणामों में बड़ा बदलाव | बंगाल में 15 साल बाद सत्ता परिवर्तन | तमिलनाडु में पारंपरिक दलों को झटका

पांच राज्यों—पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी—में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने पहली बार सत्ता हासिल कर इतिहास रच दिया, जबकि असम और पुडुचेरी में एनडीए ने अपनी सरकार बरकरार रखी है।

तमिलनाडु में इस बार चुनाव परिणामों ने पारंपरिक राजनीति को चुनौती दी है, वहीं केरल में कांग्रेस ने वापसी करते हुए वामपंथी दलों को सत्ता से बाहर कर दिया है।

बंगाल: 15 साल बाद सत्ता परिवर्तन

206 सीटें (लगभग 70% स्ट्राइक रेट)

81 सीटें (लगभग 27.6% स्ट्राइक रेट)

- भाजपा ने 293 में से 206 सीटें जीतकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की।
- टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी समेत 12 मंत्री चुनाव हारे।
- 1972 के बाद पहली बार राज्य और केंद्र में एक ही पार्टी की सरकार होगी।

मुख्यमंत्री चेहरे पर सस्पेंस

संभावित नामों में शामिल: सुवेंदु अधिकारी, सुकांत मजुमदार, दिलीप घोष, समिक भट्टाचार्य। पार्टी किसी महिला चेहरे पर भी दांव लगा सकती है।

प्रदर्शन पूरे बंगाल में

- **नॉर्थ 24 परगना:** भाजपा 18, टीएमसी 15
- **पूर्वी मेदिनीपुर:** भाजपा 16, टीएमसी कम
- **हुगली:** भाजपा 15 सीटें
- **उत्तर बंगाल की 54 में से भाजपा 27 सीटें**
- **जंगलमहल (पुरुलिया, बांकुरा, पश्चिम मेदिनीपुर):** भाजपा का शानदार प्रदर्शन

सबसे छोटी और सबसे बड़ी जीत

- **सबसे छोटी जीत:** सतपछिया सीट पर भाजपा के अनिस्वर नास्कर ने 401 वोट से जीत दर्ज की।
- **सबसे बड़ी जीत:** माटीगाछा-नकसलबाड़ी सीट पर भाजपा के आनंदमय बर्मन ने 1,04,265 वोट से जीत दर्ज की।

तमिलनाडु: नई राजनीति का उदय

- अभिनेता थलपति विजय की पार्टी TVK का शानदार प्रदर्शन।
- पारंपरिक दल DMK और AIADMK को बड़ा झटका।
- 59 साल में पहली बार राज्य में ऐसी सरकार बन सकती है, जिसमें DMK या AIADMK नहीं होगी।
- **मुख्यमंत्री पद को लेकर आधिकारिक घोषणा अभी बाकी।**

महत्वपूर्ण तथ्य

- राज्य में एक नई राजनीतिक धुरी उभरती दिख रही है।
- युवा और पहली बार वोट करने वालों ने निर्णायक भूमिका निभाई।
- आगामी सरकार के सामने रोजगार, शिक्षा और उद्योग बड़ी चुनौतियां होंगी।

केरल: कांग्रेस की वापसी

- कांग्रेस ने वामपंथी सरकार को करारी हार दी।
- यूडीएफ (कांग्रेस गठबंधन) को स्पष्ट बहुमत।
- राज्य में सत्ता परिवर्तन तय।

असम: एनडीए की हैट्रिक

- एनडीए ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज की।
- विकास, सुशासन और स्थिर नेतृत्व पर जनता की मुहर।
- असम में भाजपा का जनाधार और मजबूत हुआ।

पुडुचेरी: एनडीए सरकार बरकरार

- एनडीए ने पुडुचेरी में वापसी की।
- विकास कार्यों और स्थिरता पर जनता का भरोसा।

पांचों राज्यों के नतीजे एक नजर में

राज्य	जीतने वाला दल	स्थिति	मुख्य निष्कर्ष
पश्चिम बंगाल	भाजपा	पहली बार सरकार	15 साल बाद सत्ता परिवर्तन, भाजपा का ऐतिहासिक प्रदर्शन
असम	एनडीए	हैट्रिक	तीसरी बार सरकार, मजबूत जनादेश
तमिलनाडु	नई पार्टी (TVK)	बदलाव	पारंपरिक दलों को झटका, नई राजनीति का उदय
केरल	कांग्रेस	वापसी	वामपंथी सरकार का अंत, कांग्रेस की शानदार वापसी
पुडुचेरी	एनडीए	सरकार बरकरार	एनडीए की वापसी, जनता का भरोसा कायम

> यह जीत विकास, सुशासन और जनता के विश्वास की जीत है। हम बंगाल को नई ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
>
> – नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज को वर्ष 2026 के चातुर्मास प्रवास हेतु श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के खवासजी का रास्ता स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सोनियान में विराजित उपाध्याय श्री 108 ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज को वर्ष 2026 के वर्षायोग चातुर्मास प्रवास हेतु विभिन्न स्थानों से पधारे गुरु भक्तों ने श्रीफल भेंट कर अपने-अपने क्षेत्र में चातुर्मास प्रवास करने का विनम्र आग्रह किया। एवीएस फाउंडेशन द्वारा आयोजित सभा में जिनेन्द्र जैन 'जितू जी' ने मंगलाचरण किया। सभा की कार्यवाही का संचालन रूपेन्द्र छाबड़ा ने करते हुए उपस्थित सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया। उन्होंने पूज्य उपाध्याय श्री के आगामी वर्षायोग चातुर्मास प्रवास के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न स्थानों से आए समाजों के आग्रह को देखते हुए सभी को एक मंच पर आमंत्रित किया गया, ताकि वे अपनी भावना व्यक्त कर सकें। सभा में सर्वप्रथम एवीएस फाउंडेशन द्वारा आगरा रोड भण्डाना स्थित 'श्री क्षेत्र गुरु शरणं' में चातुर्मास कराने का निवेदन किया गया। इसके पश्चात श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, सोनियान की पंचायत के पदाधिकारियों ने मंदिर परिसर के संत निवास में चातुर्मास प्रवास का आग्रह रखा। बान्दीकुई से आए प्रतिनिधिमंडल ने बान्दीकुई में चातुर्मास आयोजित करने का निवेदन किया। इसके अतिरिक्त सिद्धार्थ नगर (जयपुर), आमेर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर फागीवाला, दुर्गापुरा जैन समाज (जयपुर), मध्यप्रदेश के श्योपुर समाज, प्रताप नगर सेक्टर 8 (जयपुर) के श्रावकों तथा दौसा से आए सबसे बड़े प्रतिनिधिमंडल ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में चातुर्मास प्रवास कराने हेतु भावपूर्वक आग्रह प्रस्तुत किया। अपने आशीर्वचनों में उपाध्याय श्री ने चातुर्मास प्रवास के स्थान और उसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चातुर्मास का चयन विभिन्न आध्यात्मिक एवं सामाजिक पहलुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि चातुर्मास प्रवास स्थल की घोषणा शीघ्र ही कर दी जाएगी। सभा के अंत में एवीएस फाउंडेशन की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया गया। इसके पश्चात वात्सल्य भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

"दृष्टि बदलो, सृष्टि बदल जाएगी": सिद्ध मति माताजी का प्रेरक संदेश

सुरेश चंद्र गांधी, जिला बांसवाड़ा (राजस्थान)

नौगामा। परम पूज्य विनम्र सागर महाराज की शिष्या सिद्ध मति माताजी इन दिनों नौगामा नगर में विराजमान हैं। उनके पावन सानिध्य में आज प्रातः वागड़ क्षेत्र के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान की शांतिधारा एवं अभिषेक विधि सम्पन्न हुई। अभिषेक के पश्चात आयोजित मंगल प्रवचन में माताजी ने इष्टोपदेश ग्रंथ के माध्यम से जीवन के गूढ़ सिद्धांतों को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि ''अपनी दृष्टि बदलो, सृष्टि बदल जाएगी।'' उन्होंने बताया कि मनुष्य की सोच ही उसके संसार का निर्माण करती है, इसलिए हमें सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। माताजी ने कहा कि जब हम सकारात्मक नजरिया रखते हैं, तो हमें हर चुनौती में अवसर और हर व्यक्ति में अच्छाई दिखाई देने लगती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया वैसी नहीं है जैसी वह वास्तव में है, बल्कि वैसी है जैसी हम उसे देखते हैं। प्रवचन में सेवा और करुणा के महत्व पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। माताजी ने कहा कि जब हमारी दृष्टि में दया और सेवा का भाव होता है, तब हमें प्रत्येक जीव में ईश्वर का स्वरूप दिखाई देने लगता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि प्यासे पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना या बेसहारा पशुओं की सेवा करना—यह सब उदार दृष्टिकोण का ही परिणाम है। एक सरल उदाहरण के माध्यम से उन्होंने समझाया कि यदि हम केवल कांटों को देखेंगे, तो गुलाब की सुंदरता का अनुभव नहीं कर पाएंगे, लेकिन यदि हम फूलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, तो कांटों के बीच भी जीवन खुशबू से भर जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सच्ची प्रगति बाहरी परिस्थितियों को बदलने में नहीं, बल्कि अपने आंतरिक दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में है। जीवन में चाहे कैसी भी परिस्थितियां आएं, हमें उनमें अनुकूलता बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।

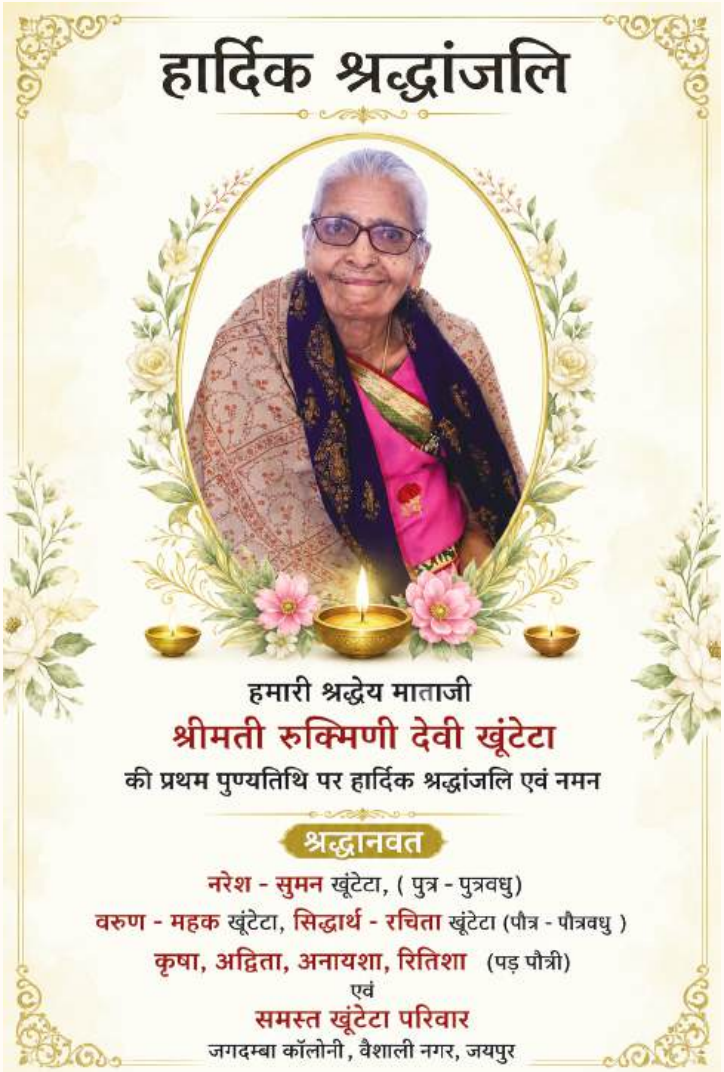

महिलाओं हेतु निःशुल्क बहुचिकित्सकीय परामर्श शिविर आयोजित, 315 से अधिक महिलाओं ने लिया लाभ

सीकर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति, सीकर द्वारा गीतांजलि हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को ''निःशुल्क बहुचिकित्सकीय परामर्श शिविर'' का सफल आयोजन किया गया। समाज के विवेक पाटोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि बजाज रोड स्थित पार्श्वनाथ भवन (दंग की नशियां) के धर्मसागर सभागार में आयोजित इस शिविर में सर्वसमाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर प्रातः 9:30 बजे प्रारम्भ होकर अपराह्न 3:30 बजे तक संचालित हुआ, जिसमें कुल 315 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुईं। महासमिति अध्यक्ष सुमन बड़जात्या एवं मंत्री विनीता काला ने बताया कि शिविर में गीतांजलि हॉस्पिटल, जयपुर से आई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इसमें स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ एवं विभागाध्यक्ष डॉ. लीला गुप्ता, ईएनटी विशेषज्ञ प्रो. डॉ. अंजली गुप्ता, जनरल मेडिसिन फिजिशियन डॉ. मेघा गुप्ता, डमेटोलॉजिस्ट डॉ. अंकिता, जूनियर रेजिडेंट डॉ. कशिश गुप्ता, फार्मासिस्ट अनिल दायमा एवं मार्केटिंग मैनेजर दीना गोस्वामी शामिल रहे। शिविर के दौरान आयोजित टॉक शो में डॉक्टरों ने महिलाओं एवं बालिकाओं के माहवारी संबंधी प्रश्नों, त्वचा से जुड़ी समस्याओं तथा वर्तमान जीवनशैली में स्वास्थ्य देखभाल एवं जागरूकता से जुड़े विषयों पर विस्तृत जानकारी दी और उनके सवालों के समाधान प्रस्तुत किए। शिविर में ईसीजी सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं तथा निःशुल्क दवा वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीतू पाटोदी ने किया। इस अवसर पर महिला महासमिति की समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

कल्याण नगर में महिला मंडल का निर्विरोध निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

टोंक रोड (जयपुर). शाबाश इंडिया। श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कल्याण नगर में महिला मंडल का निर्विरोध निर्वाचन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सर्वसम्मति से श्रीमती मीना गोधा को अध्यक्ष एवं श्रीमती राखी बड़जात्या को मंत्री पद के लिए निर्विरोध चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ ग्रहण कर अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और नव निर्वाचित टीम को शुभकामनाएं दीं। दिनेश धाडूका, मंत्री

भारत गौरव आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का देवली में 15वां गणिनी पदारोहण दिवस महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

देवली. शाबाश इंडिया

श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, देवली के तत्वावधान में परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी की सुविनीत शिष्या, भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी का 15वां गणिनी पदारोहण दिवस महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुई। तत्पश्चात विज्ञाश्री गुरु भक्त परिवार से पधारे श्रद्धालुओं ने गणाचार्य भगवान विराग सागर जी एवं पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी के चित्र का अनावरण किया। जयपुर, निवाई, चाकसू, बूंदी, दूनी, आवां, ब्यावर, भीलवाड़ा, सावर सहित विभिन्न स्थानों से पधारे भक्तों ने आचार्य भगवंत के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। अध्यक्ष संजय जैन एवं प्रतीक जैन सेठी ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नरेन्द्र जैन (जज साहब) ने पूज्य माताजी के चरणों में विनयांजलि अर्पित की। महिला मंडल द्वारा भक्ति नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। निवाई समाज के अध्यक्ष विष्णु बोहरा, महावीर जी पराणा, बाबूलाल जैन, शांतिलाल जैन, पद्मजी पाटनी एवं अनिता जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने गुरुमाँ के चरणों में विनयांजलि अर्पित की। दूनी जैन समाज एवं दूनी-निवाई जैन समाज ने पूज्य माताजी के प्रवास हेतु श्रीफल समर्पित किया। वहीं जयपुर जैन समाज एवं सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ समिति की ओर से वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया गया। इसके पश्चात गुरु पूजन की पुस्तकों का विमोचन किया गया तथा सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से गुरु पूजन संपन्न किया। 15वें गणिनी पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में पूज्य माताजी के कर कमलों में 15 शास्त्र एवं वस्त्र अर्पित किए गए तथा पाद प्रक्षालन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि अपने आशीर्वचनों में पूज्य गुरुमाँ ने आचार्य भगवंत के श्रीचरणों में विनयांजलि अर्पित करते हुए कहा–

''जिनशासन के सूर्य कहाते विमल सूरि के चेला हैं,
सम्मति पाकर आदि सिन्धु सी, कीर्ति महावीर की गाते।
श्रेष्ठ समाधि करके आपने, सर्वश्रेष्ठ उपदेश दिया,
विशुद्ध धारा बहने हेतु हम सबका कल्याण किया।''

कार्यक्रम का समापन अत्यंत भक्तिमय वातावरण में हुआ।

निवेदक: सकल दिगम्बर जैन समाज, देवली

सेहत

अस्थमा की वैश्विक त्रासदी

दिलीप कुमार पाठक

शहर की भागती भीड़ में यदि आप किसी चौराहे पर खड़े होकर गौर करें, तो हर पांचवें-छठे बच्चे के स्कूल बैग के किनारे से झांकता इनहेलर दिखाई दे जाएगा। यह आज की कड़वी सच्चाई है, जिसे हम विकास की चकाचौंध में अनदेखा कर रहे हैं। हमने हाईवे, एक्सप्रेस-वे और 5जी तकनीक तो हासिल कर ली, लेकिन उसी के साथ बच्चों के हाथ में नेबुलाइजर भी थमा दिया। विकास की इस दौड़ में हमारी आर्थिक स्थिति तो मजबूत हो रही है, लेकिन फेफड़ों की सेहत लगातार कमजोर होती जा रही है। विश्व अस्थमा दिवस पर दुनिया जहां इलाज की उपलब्धता पर चर्चा कर रही है, वहीं हमें यह सवाल पूछना होगा कि क्या हम बीमारी की जड़ को खत्म कर रहे हैं या उसे बढ़ावा दे रहे हैं। अस्थमा अब केवल आनुवांशिक बीमारी नहीं रह गई है, बल्कि यह पर्यावरणीय असंतुलन का परिणाम बन चुकी है। हवा में घुलता प्रदूषण सीधे हमारे फेफड़ों को प्रभावित कर रहा है। प्रदूषण की बात आते ही ध्यान अक्सर वाहनों के धुएं पर जाता है, लेकिन उत्तर भारत में पराली जलाने की समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। खेतों में जलती पराली से उठता धुआं सीमाओं को पार कर शहरों तक पहुंचता है और स्मॉग बनकर सांस लेना मुश्किल कर देता है। यह विडंबना ही है कि जिस मिट्टी से हमें अन्न मिलता है, वही हमारे फेफड़ों के लिए खतरा बन रही है। आंकड़ों के अनुसार भारत में 3 करोड़ से अधिक लोग अस्थमा से पीड़ित हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि दुनिया भर में अस्थमा से होने वाली कुल मौतों में लगभग 46 प्रतिशत मौतें भारत में होती हैं। यह केवल स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि व्यवस्था और जागरूकता की कमी का संकेत है। यहां बीमारी का समय पर पता नहीं चलता या इलाज आम लोगों की पहुंच से बाहर हो जाता है। अस्थमा के साथ एक सामाजिक कलंक भी जुड़ा हुआ है। कई माता-पिता अपने बच्चों के दमा को स्वीकार नहीं करते और इनहेलर के इस्तेमाल से बचते हैं। जबकि चिकित्सा विज्ञान स्पष्ट रूप से बताता है कि इनहेलर सबसे प्रभावी उपचार है, क्योंकि यह सीधे फेफड़ों पर असर करता है। इस गलत धारणा के कारण कई मरीज समय पर सही इलाज नहीं ले पाते। प्रदूषण केवल बाहर ही नहीं, घर के भीतर भी मौजूद है। अगरबत्ती का धुआं, बंद कमरों की नमी और रसोई से निकलने वाला धुआं अस्थमा के मरीजों के लिए बेहद हानिकारक है।

संपादकीय

ऐतिहासिक परिवर्तन की शुरूआत

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों की मतगणना सोमवार को पूरी हो गई। कुल 824 सीटों पर आए जनादेश ने राष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा देने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। एनडीए के मजबूत प्रदर्शन ने केंद्र सरकार को नई ऊर्जा प्रदान की वहीं कई राज्यों में सत्ता परिवर्तन ने राजनीतिक परिदृश्य को और अधिक रोचक बना दिया। इन परिणामों ने यह भी दिखाया है कि मतदाता अब

मुद्दों के आधार पर निर्णय लेने में अधिक सक्रिय और सजग हो गए हैं। पश्चिम बंगाल में इस बार बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला। 294 सीटों वाले इस राज्य में भाजपा ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए बहुमत के करीब पहुंचकर तृणमूल कांग्रेस को कड़ी चुनौती दी। ममता बनर्जी के लंबे शासन को इस बार गंभीर विरोध का सामना करना पड़ा। सत्ता विरोधी लहर, राजनीतिक हिंसा के आरोप, विकास कार्यों की धीमी गति और विभिन्न विवादों ने टीएमसी की स्थिति को कमजोर किया। भाजपा ने 'परिवर्तन' के नारे के साथ आक्रामक और संगठित रणनीति अपनाई, जिसका असर नतीजों में साफ दिखाई दिया। असम में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। 126 सीटों वाले इस राज्य में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की नीतियों को जनता का व्यापक समर्थन मिला। विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को प्रभावित किया। कांग्रेस यहां अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में नजर आई, जिससे भाजपा की पकड़ और मजबूत हुई है। यह परिणाम राज्य में स्थिरता और निरंतरता की मांग को भी दर्शाता है। तमिलनाडु में इस बार सबसे बड़ा आकर्षण अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) रही। 234 सीटों वाले इस राज्य में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी। शुरूआती रुझानों में पार्टी बहुमत के करीब पहुंच गई। सत्तारूढ़ डीएमके को नुकसान हुआ, जबकि एआईएडीएमके तीसरे स्थान पर खिसक गई। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और बेरोजगारी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित किया। रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत ने भी बदलाव की स्पष्ट इच्छा को मजबूत किया है। केरल में कांग्रेस नीत यूडीएफ की वापसी लगभग तय हो गई है और वामपंथी सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा है। 140 सीटों वाले इस राज्य में एलडीएफ को हार का सामना करना पड़ा। पिनाराई विजयन सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी, आर्थिक चुनौतियां और शासन को लेकर उठे सवाल निर्णायक साबित हुए। यह परिणाम राज्य की पारंपरिक वैचारिक राजनीति में बदलाव का संकेत माना जा रहा है। पुडुचेरी में एनआर कांग्रेस और भाजपा का गठबंधन मजबूत स्थिति में उभरकर सामने आया। 30 सीटों वाले इस केंद्र शासित प्रदेश में एनडीए का बेहतर प्रदर्शन गठबंधन की सुदृढ़ता को दर्शाता है। यहां मतदाताओं ने स्थिर और प्रभावी शासन को प्राथमिकता दी है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सीख जो बाकी रह गई

डॉ. नमिता चौहान

तेज बारिश के बीच सुनंदा अपने पति आनंद और करीबी रिश्तेदारों के साथ प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए कचहरी पहुँची। रजिस्ट्री के लिए दूसरी पार्टी के लोग भी वहीं मौजूद थे। सब लोग बरामदे में बैठकर अपनी-अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। रजिस्ट्री का कुछ काम हो गया था, कुछ काम बाकी था। सुनंदा को थोड़ा इंतजार करना पड़ रहा था। सुनंदा की नजर चारों ओर घूमने लगी। बड़े से चबूतरे पर टीन शेड के नीचे नोटरी की मेजें लगी थीं। जगह-जगह स्टांप विक्रेताओं के फ्लेक्स टंगे थे। लकड़ी की खस्ताहाल कुर्सियाँ, गंदी-सी मेजें, उन पर बिछे गंदे कवर और उन पर लाल कपड़े में बंधी फाइलों के ढेर। एक ओर पुराना टाइपराइटर रखा था, तो दूसरी ओर एक-दो टेबलों पर लैपटॉप खुले थे। मानो पुरानी और नई व्यवस्था साथ-साथ चल रही हो, पर एक-दूसरे से अनजान। लेकिन जो दृश्य सबसे अधिक चुभ रहा था, वह थी गंदगी। बरामदे के खंभों पर गुटखे की पीक की मोटी परत जमी थी। लोग कुर्सी पर बैठे-बैठे ही थूक रहे थे। चाय पीकर खाली कप वहीं फेंक दिए जाते। कोई अपनी जगह बैठे हुए पानी पीकर कुल्ला कर रहा था। वातावरण में एक अजीब-सी बदबू और लापरवाही घुली हुई थी। गंदगी के कारण मक्खियां भिनभिना रही थी। सुनंदा को वितृष्णा होने लगी। उसने धीरे से आनंद से कहा, ''आनंद! क्या हमने कोरोना काल से कुछ भी नहीं सीखा? कितने लोग उस बीमारी में चले गए'' कितनों ने अपनों को खो दिया तब तो हर जगह सफाई और सावधानी की बातें होती थीं। लेकिन अब देखो।..... आनंद चुप रहा। पास बैठे रिश्तेदार भी सिर हिलाकर सहमति जताने लगे। तभी रजिस्ट्री वाली पार्टी के एक व्यक्ति ने पान खाकर पीक वहीं थूक दिया। सुनंदा का मन और भी व्यथित हो उठा। दीवार पर लगा एक फीका पोस्टर उसकी नजर में आया - स्वच्छ भारत अभियान। उस पर लिखा था - ''स्वच्छता ही सेवा है।'' पर आसपास की स्थिति उस नारे का मजाक उड़ा रही थी। सुनंदा अपने पति से बोली, ''जहाँ बड़े-बड़े अधिकारी आते हैं, मजिस्ट्रेट बैठते हैं, वकील काम करते हैं, अगर वहाँ यह हाल है तो आम जगहों की क्या स्थिति होगी?'' इनसे अच्छी स्थिति तो सरकारी अस्पतालों की है जहां पर इतनी बड़ी संख्या में मरीज अपने इलाज के लिए आते हैं। इतने में कर्मचारी ने दस्तावेज की जांच के लिए अंदर कचहरी में बुलाया। आधा काम ऑनलाइन हुआ, पर हस्ताक्षर, अंगूठा, कई प्रतियां-सब ऑफलाइन प्रक्रिया से। सुनंदा ने पूछा, ''जब देश डिजिटल हो रहा है तो यहाँ इतना इंतजार क्यों?'' कर्मचारी ने सहज भाव से कहा, ''मैडम, व्यवस्था बदल रही है-पर पूरी तरह नहीं।'' काम आगे बढ़ा। रजिस्ट्री पूरी होने के बाद सुनंदा बाहर निकली। बारिश थम चुकी थी। उसने एक बार फिर कचहरी की ओर देखा और मन ही मन सोचा, ''महामारी ने हमें चेतावनी दी थी, पर हमने उसे स्मृति बना दिया, सीख नहीं। स्वच्छता अभियान केवल सरकार का काम नहीं, हर नागरिक का दायित्व है। जब तक हम अपनी आदतें नहीं बदलेंगे, कोई नारा हमें स्वच्छ नहीं बना सकता।'' आनंद ने सुनंदा को चिंतित देखकर थोड़ा कड़े लहजे में कहा, ''सुनंदा !तुम इतना क्यों सोच रही हो? क्या देश को सुधारने का ठेका तुमने ले रखा है?'' सुनंदा ने शांत स्वर में कहा, आनंद! देश बदलने की शुरूआत घर और अपने व्यवहार से होती है। अगर हम सचमुच स्मार्ट भारत चाहते हैं, तो पहले जिम्मेदार भारत बनना होगा।

बारिश थम चुकी थी किंतु सुनंदा के मन में अजीब सी बेचैनी हो रही थी। मानों उम्मीद अब भी बाकी हो।

विश्व शांति महायज्ञ में घी, चंदन, धूप, नारियल व कपूर से दी गई आहुतियां

नवीन स्वर्ण जड़ित वेदियों में विराजित हुए भगवान पार्श्वनाथ, जयकारों से गूंजा महावीर चौक

टोंक. शाबाश इंडिया

पुरानी टोंक स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चेतालय, सेठ नाथूराम जी, महावीर चौक में आयोजित दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत रविवार को भगवान पार्श्वनाथ को विधि-विधान एवं भक्ति भाव के साथ नवीन स्वर्ण जड़ित वेदियों में विराजमान किया गया। इस अवसर पर महावीर चौक परिसर भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रातः क्षीरसागर से जल लाकर भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक, वृहद शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। पंडित सुरेश शास्त्री के सानिध्य में आचार्य निमंत्रण, मंडल रचना, पंच मंगल कलश स्थापना तथा याग मंडल विधान की पूजा का आयोजन किया गया। इस दौरान इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति भाव से पूजा करते हुए 148 अर्घ्य एवं श्रीफल अर्पित किए। दुर्गा भारती ग्रुप की सुमधुर स्वर लहरियों के बीच भक्ति नृत्य प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। विश्व शांति महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने घी, चंदन, धूप, नारियल एवं कपूर से आहुतियां अर्पित कर विश्व शांति की कामना की। महायज्ञ से उठती सुगंध ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक और पावन बना दिया। इसके पश्चात भगवान पार्श्वनाथ का जलाभिषेक कर उन्हें नवीन वेदियों में विधिवत विराजमान किया गया। शाम को 21 रजत दीपकों से महाआरती कर श्रद्धालुओं ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जयपुर, दिल्ली, कोटा, बूंदी, अलवर एवं नासिक सहित विभिन्न स्थानों से पधारे श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजक बसंत कुमार, राजेंद्र कुमार, रमेशचंद, सुशील कुमार एवं अनिल कुमार जैन गट्टी ने चेतालय के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लगभग 200 वर्ष पूर्व स्वर्गीय सेठ नाथूराम जी द्वारा इस चेतालय का निर्माण कराया गया था। यहां भगवान पार्श्वनाथ की अष्टधातु की मनमोहक एवं चमत्कारी प्रतिमा मूलनायक के रूप में विराजमान है, जिसके सिर पर दस फन हैं। यह प्रतिमा अपनी विशेषता के कारण पूरे भारत में अद्वितीय मानी जाती है। चेतालय में भगवान आदिनाथ, महावीर स्वामी एवं चौबीसी सहित कुल नौ प्रतिमाएं विराजमान हैं। वर्ष 2025 में जीर्ण-शीर्ण अवस्था को देखते हुए चेतालय का जीर्णोद्धार कर नवीन निर्माण कराया गया। दिनेश गट्टी ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत शनिवार सायंकाल 48 दीप प्रज्वलित कर ऋद्धि मंत्रों के साथ भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया। रात्रि में भजन संध्या एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें दुर्गा भारती ग्रुप की प्रस्तुति पर हेमा जैन, हिना जैन एवं मंजू गट्टी ने भजनों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से नृत्य कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पार्श्व जैन मिलन ने विभिन्न आयोजनों के साथ मनाया भारतीय जैन मिलन का स्थापना दिवस

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। समाजसेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था पार्श्व जैन मिलन द्वारा भारतीय जैन मिलन का 61वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। राष्ट्रीय मंत्री नरेश चंद्र जैन, शाखा अध्यक्ष मनीष जैन एवं मंत्री दीपक जैन मलावनी ने बताया कि भारतीय जैन मिलन की स्थापना 2 मई 1966 को देहरादून में हुई थी। स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण कर संस्था अब 61वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। वर्तमान में भारत सहित आठ अन्य देशों में इसकी कुल 1517 शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर पार्श्व जैन मिलन द्वारा सोनी कॉलोनी स्थित जैन मंदिर में प्रातः विश्व शांति के लिए अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में सुप्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. चिन्मय जैन (एमपीटी, मणिपाल, बेंगलुरु) के सानिध्य में पछाड़ी खेड़ा रोड स्थित क्लिनिक पर निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. चिन्मय जैन एवं उनकी टीम का पार्श्व जैन मिलन के सदस्यों द्वारा माला एवं सम्मान-पट्टिका देकर स्वागत किया गया। निःशुल्क शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय मंत्री वीर नरेश चंद्र जैन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर सुभाष जैन (कैंची वीडी) द्वारा किया गया। शिविर में 80 मरीजों का पंजीयन कर उनका निःशुल्क उपचार किया गया। कार्यक्रम में मंत्री दीपक मलावनी, संयोजक कमलेश कुमार जैन, प्रवीण जैन, संजीव जैन, राजेश जैन (राजू किराना) सहित संस्था के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

श्री चंपापुर दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र, नाथनगर (भागलपुर) में विधायक रोहित पांडे ने किए भगवान वासुपूज्य के दर्शन

नाथनगर. शाबाश इंडिया। श्री चंपापुर दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र में आज भागलपुर के विधायक रोहित पांडे ने भगवान वासुपूज्य के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उनके साथ दिलीप निराला (पूर्व जिला उपाध्यक्ष, बीजेपी) भी उपस्थित रहे। विधायक रोहित पांडे ने कहा, ''भगवान वासुपूज्य की नगरी, पंचकल्याणक स्थली चंपापुर सिद्ध क्षेत्र (अंतर्गत–श्री बंगाल, बिहार, उड़ीसा तीर्थ क्षेत्र कमेटी) में विधायक बनने के बाद यह मेरा प्रथम आगमन है। भगवान का आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहा है और आगे भी रहेगा।'' इस अवसर पर उन्होंने भगवान वासुपूज्य की प्राचीन प्रतिमा एवं चरणों का दर्शन कर श्रीफल एवं अर्घ्य अर्पित किया। साथ ही मंदिर परिसर में स्थापित विशाल खड्गासन प्रतिमा के भी दर्शन किए। उन्होंने भावुक होकर कहा कि ''चंपापुर सिद्ध क्षेत्र में आकर मन को अद्भुत शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति होती है।'' जैन दर्शन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ''जैन दर्शन सनातन संस्कृति के प्रमुख स्तंभों में से एक है, जो हमें सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, परोपकार और क्षमा का मार्ग दिखाता है। भगवान वासुपूज्य का संदेश है कि इसी मार्ग पर चलकर हम सुख, शांति और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं।''

स्वागत एवं सम्मान

श्री चंपापुर दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र की कार्यकारिणी समिति की ओर से सदस्य सुमित जैन ने विधायक को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया, जबकि जागेश जैन ने भगवान वासुपूज्य की स्मृति-चित्र भेंट किया। इस अवसर पर सूरज जैन, कमलेश जैन, अमित जैन, रोशन जैन सहित अनेक श्रावकगण उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा बना श्री दिगम्बर जैन वीर मण्डल

एटा. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच जहां इंसान अपने लिए पानी की व्यवस्था कर लेता है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की एक-एक बूंद जुटाना कठिन हो जाता है। इसी मानवीय संवेदना को ध्यान में रखते हुए श्री दिगम्बर जैन वीर मण्डल द्वारा जीव दया के उद्देश्य से विशेष अभियान शुरू किया गया है। बेजुबानों की प्यास बुझाने के लिए मण्डल के पदाधिकारियों ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में मिट्टी के जल पात्र (सकोरे) वितरित किए, ताकि लोग अपने घरों की छतों और आंगनों में पक्षियों के लिए पानी रख सकें। मण्डल के पदाधिकारी विपिन जैन 'स्वामी' ने बताया कि भीषण गर्मी में पक्षियों के पास पानी के सीमित साधन होते हैं। ऐसे में हमारी एक छोटी सी पहल किसी नन्हे परिंदे की जान बचा सकती है। संस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को करुणा और जीव दया के इस पुनीत कार्य से जोड़ना है। मीडिया प्रभारी वसु जैन ने कहा कि 'पानी–एक छोटी सी पहल, बड़ी राहत' अभियान के अंतर्गत प्रत्येक घर तक मिट्टी के पात्र पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे अपनी छतों पर नियमित रूप से पानी भरें, ताकि कोई भी पक्षी प्यास से न मरे। उन्होंने कहा कि छत पर रखा एक छोटा सा मिट्टी का पात्र भी किसी पक्षी के जीवन के लिए अमूल्य साबित हो सकता है। मण्डल पदाधिकारियों ने सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने और अपने घरों के बाहर या छत पर छायादार स्थान पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि मिट्टी के पात्रों का वितरण लगातार जारी रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जीवों को लाभ मिल सके। इस सेवा कार्य में शैलेन्द्र शैली, सुभाष चंद्र जैन, विनोद जैन, सुनील बांदा, गौरव जैन, संजय जैन, सोनू जैन, सितांशु जैन, नितिन जैन, नरेंद्र जैन, सुबोध जैन, पिंकी जैन, अरुण जैन, पियूष जैन, अतुल जैन, दीपक जैन, अमरचंद जैन, अनिल जैन, सतेन्द्र जैन, विमल जैन, विजय जैन, नीता जैन, सुनीता जैन, डॉ. अखिलेश जैन, आर्वी, अविश जैन, सर्वज्ञ जैन, सक्षम जैन, हर्ष जैन, नैतिक जैन एवं अतिशय जैन सहित अनेक समाजजनों ने सकोरे वितरित कर पुण्यार्जन किया।

उपाध्याय मुनि पुण्यनंदी का कस्बे में भव्य मंगल प्रवेश, पाद प्रक्षालन एवं पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री पदमनंदी गुरुदेव के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय मुनिश्री पुण्यनंदी गुरुवर का रविवार प्रातः लगभग 8:00 बजे कस्बे में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 स्थित होटल भाग्योदय पर समाजजनों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यहां से बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में गुरुवर का महावीर कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवेश कराया गया। शोभायात्रा के दौरान सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं ने विभिन्न स्थानों पर पाद प्रक्षालन एवं पुष्प वर्षा कर श्रद्धाभाव से स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि उपाध्याय मुनिश्री ने वर्ष 2023 में महावीर कॉलोनी में चातुर्मास सम्पन्न किया था। लगभग तीन वर्षों के अंतराल के बाद पुनः आगमन पर समाजजनों में विशेष उत्साह देखा गया। गुरुदेव के सानिध्य में मूलनायक भगवान शांतिनाथ एवं विधिनायक का पंचामृत अभिषेक संपन्न हुआ तथा गुरुवर के मुखारविंद से शांतिधारा कराई गई। शांतिधारा का लाभ मूलनायक के लिए बाबूलाल शाह (पारस परिवार) एवं विधिनायक के लिए प्रकाशचंद्र पंचोली परिवार ने प्राप्त किया। तत्पश्चात गुरुवर ने अपने प्रवचन में धर्म के महत्व एवं प्रभावना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए समाजजनों को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर हुमड़ समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, रंजन जैन, महेंद्र जैन, दिनेश जैन, रोशन लाल, रजनीकांत, सुरेश जैन, हेमराज नागदा, रमेशचंद्र गांधी सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के अनेक धर्मावलंबी एवं महिलाएं उपस्थित रहीं और धर्मलाभ प्राप्त किया।

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद का 39वां राष्ट्रीय अधिवेशन इंदौर में सम्पन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद का 39वां राष्ट्रीय अधिवेशन श्री अनिल पारस दास जैन की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। अधिवेशन से पूर्व राष्ट्रीय प्रबंधकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने श्री अनिल पारस दास जैन के अध्यक्ष पद पर हुए मनोनयन को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की। नवनियुक्त अध्यक्ष श्री अनिल पारस दास जैन ने परिषद का परिचय देते हुए कहा कि यह एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय संस्था है, जिसका अपना भवन दिल्ली जैसे महानगर में स्थित है। उन्होंने पंचकल्याणक आयोजनों में होने वाले अपव्यय को रोककर उस धनराशि को जनकल्याणकारी कार्यों में उपयोग करने पर बल दिया। साथ ही सभी प्रदेश अध्यक्षों एवं महिला परिषद के कार्यों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया तथा पदाधिकारी मंडल के 11 सदस्यों की घोषणा भी की। समारोह के मुख्य अतिथि शैलेन्द्र जैन ने परिषद के 103 वर्ष पुराने गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्था ने समाज सुधार के अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर

देते हुए महिला वर्ग से परिषद को और सशक्त बनाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि दिनेश जैन ने जैन समाज को ''जियो और जीने दो'' के सिद्धांत पर चलने की प्रेरणा दी तथा आर्थिक सुदृढ़ता और सामाजिक एकता पर बल दिया। परिषद की सम्मान परंपरा के अंतर्गत विधायक शैलेन्द्र जैन (सागर), सुरेश जैन (आईएएस, भोपाल) सहित प्रांतीय अध्यक्षों–सुनील जैन (सागर), अशोक जैन (गुरुग्राम), सतीश जैन (हरिद्वार), डॉ. अखिल बंसल (जयपुर), सुनील जैन (दिल्ली), जितेन्द्र जैन (आगरा) एवं प्रशांत जैन (युवा परिषद, सागर) को प्रतीक चिन्ह, माला, दुपट्टा एवं परिषद गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। परिषद का सर्वोच्च सम्मान ''परिषद शिरोमणि रत्न'' निवर्तमान अध्यक्ष श्री चक्रेश जैन को तथा डॉ. जीवनलाल जैन को मरणोपरांत प्रदान किया गया। द्वितीय सत्र में विभिन्न प्रदेश अध्यक्षों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्था की प्रगति और समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन हेतु कार्य करने का आह्वान किया। सुनील जैन (सागर) ने जनगणना में ''जैन'' लिखने के लिए प्रेरित किया, जबकि सतीश जैन ने साधु-संतों के आहार-विहार में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया। डॉ. अखिल बंसल ने शिक्षा के क्षेत्र में ठोस कार्ययोजना बनाकर नई पीढ़ी को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता बताई, वहीं प्रशांत जैन ने युवाओं को परिषद से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। श्री डी.आर. जैन ने परिषद के पूर्व कार्यों का उल्लेख करते हुए सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अन्य प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। प्रथम सत्र का संचालन सुनील जैन (दिल्ली) एवं द्वितीय सत्र का संचालन प्रशांत जैन (सागर) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिनिधियों में स्वामी जयंत कीर्ति जी (उज्जैन), अशोक सिंघल, सरला जैन, पुनीत जैन, रेनू जैन, नीरज जैन, सुभाष बड़जात्या, जिनेन्द्र जैन, सुरेन्द्र कुमार, सरला सांवरिया, प्रभा जैन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत ध्वजारोहण श्री अनिल जैन द्वारा, मंच उद्घाटन सुरेश जैन (आईएएस) द्वारा तथा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन समागत अतिथियों द्वारा किया गया।

– डॉ. अखिल बंसल, प्रदेशाध्यक्ष (जयपुर)

श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन पर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा स्थापना में सहयोग हेतु अनिल जैन व नरेंद्र जैन 'नृपत्या' का अभिनंदन

'जिन शासन प्रभावना सारथी' अलंकरण से किया सम्मान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन परिसर में भगवान महावीर स्वामी की भव्य प्रतिमा स्थापना में विशेष सहयोग प्रदान करने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी अनिल कुमार जैन एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी के अध्यक्ष नरेंद्र जैन 'नृपत्या' का अभिनंदन किया गया। यह सम्मान स्थानीय श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (नसियां जी) में आयोजित धर्मसभा के दौरान परम पूज्य गणिनी शिरोमणी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी एवं पट्टगणिनी आर्यिका विज्ञमती माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में प्रदान किया गया। दोनों को 'जिन शासन प्रभावना सारथी' अलंकरण से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन परिसर के गोल सर्कल में 1400 किलोग्राम वजनी, साढ़े तीन फीट ऊंची बंसी पहाड़पुर पत्थर की कलात्मक छतरी के अंतर्गत लगभग साढ़े नौ फीट ऊंचाई पर भगवान महावीर स्वामी की मनोहारी प्रतिमा विराजमान की गई है। इस कार्य में दोनों सम्मानित व्यक्तियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतिमा स्थापना का महत्व

श्री महावीर जी भारत का प्रमुख जैन तीर्थ क्षेत्र है, जहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं। रेलवे स्टेशन तीर्थ का प्रथम द्वार होने के कारण यहां स्थापित भगवान महावीर स्वामी की भव्य प्रतिमा देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को प्रथम दृष्टि में ही तीर्थ का आध्यात्मिक अनुभव कराएगी। यह प्रतिमा अहिंसा, शांति और ''जियो और जीने दो'' के सिद्धांत का संदेश प्रसारित करेगी तथा स्टेशन की विशिष्ट पहचान बनेगी। इस अवसर पर पूज्य माताजी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि तीर्थ क्षेत्रों की प्रभावना एवं जिन शासन की सेवा में योगदान देने वाले श्रावक समाज के लिए प्रेरणास्रोत होते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों साधर्मी बंधुओं ने निःस्वार्थ भाव से प्रशासनिक सहयोग देकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। समारोह में पूज्य माताजी के करकमलों से अभिनंदन पत्र एवं ''जिन शासन प्रभावना सारथी'' अलंकरण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया, जिसमें प्रतिमा का चित्र एवं उनके योगदान का उल्लेख अंकित है। कार्यक्रम में समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल, देवेंद्र जैन पांड्या, अशोक पांड्या, विजेंद्र जैन, प्रेमचंद पटवारी, विमल कुमार जैन गोधा, प्रदीप कुमार जैन सोनी, सुमेर जैन सोनी, अरिहंत बोहरा, नरेंद्र गंगवाल, अरविंद गोधा, सुभाष सोगानी, पारस सोगानी, महेश जैन, मंगल जैन, डॉ. मनोज जैन, जिनेंद्र जैन, धर्मेंद्र जैन पांड्या, राजेश जैन गंगवाल, ज्ञानेंद्र जैन, प्रवीण जैन कठूमर, नवनीत काला, सतीश जैन पांड्या, आलोक जैन, पंकज जैन, कृष्ण कुमार जैन, मोहनलाल जैन, जगदीश जैन सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप के रीजन उपाध्यक्ष विमल जैन गोधा ने किया। अंत में समाज द्वारा दोनों सम्मानित व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा की गई।

1600 बच्चों के साथ जैन संस्कारों का आठ दिवसीय महोत्सव प्रारंभ

ध्वजारोहण के साथ सन्मति स्कूल, छावनी में 11वां वार्षिक शिविर शुरू

इंदौर. शाबाश इंडिया

यंग जैन स्टडी ग्रुप द्वारा आयोजित जैन युवा एवं बाल संस्कार शिक्षण शिविर के 11वें वार्षिक आयोजन का भव्य शुभारंभ सन्मति स्कूल, छावनी में ध्वजारोहण के साथ हुआ। 3 मई से 10 मई तक चलने वाले इस आठ दिवसीय शिविर में इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों से 1600 से अधिक बच्चे एवं युवा ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से सहभागी बने हैं। शिविर का संचालन माइक्रोसॉफ्ट (अमेरिका) में पूर्व डिजाइनर इंजीनियर रहे युवा विद्वान प्रकाश छाबड़ा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, जो परंपरा और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम प्रस्तुत कर रहा है।

स्मार्ट क्लास में जैन दर्शन का सरल बोध

शिविर में प्रतिभागियों को जैन दर्शन के मूल तत्वों को पांच स्तरों में व्यवस्थित कर आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से समझाया जा रहा है। नमोकार मंत्र, पंच परमेष्ठी, क्रोध-मान-माया-लोभ जैसे चार कषाय, द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव, जीव-अजीव का भेद, कर्म सिद्धांत, विभिन्न गतियां तथा प्रथमानुयोग, चरणानुयोग, करणानुयोग और द्रव्यानुयोग जैसे जटिल विषयों को सरल, रोचक एवं व्यावहारिक शैली में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह शिविर केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मबोध की एक गहन यात्रा बन गया है, जहां बच्चे ''हम कौन हैं, कहां से आए हैं और जीवन का उद्देश्य क्या है'' जैसे प्रश्नों के उत्तर खोज रहे हैं।

सामूहिक पूजन और अनुशासन का अद्भुत संगम

शिविर प्रमुख प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि प्रतिदिन प्रातः 6 बजे विभिन्न कॉलोनियों से बच्चों एवं युवाओं को बसों के माध्यम से लाया जाता है। सुबह 7 बजे सभी प्रतिभागी अष्ट द्रव्य के साथ सामूहिक पूजन करते हैं, जो श्रद्धा, अनुशासन और एकता का प्रेरणादायक दृश्य प्रस्तुत करता है। इस भव्य आयोजन में ध्वजारोहण का सौभाग्य अशोक किरण जैन, सुनील मीना जैन, श्रीमती श्वेता संजय बंडी, नेहा पलाश बक्षी, अविनाश सेठी, विजित रामावत, श्रीमती निर्मला पहाड़िया, श्रीमती बिंदु निखिलेश पांड्या, श्रीमती सरोज सुरेश बड़जात्या, नवीन शिवानी गोधा, सुनील शाह, दिलीप दोषी, ज्ञानेश सिंघई, डॉ. हर्षल-दीप्ति शाह, श्रीमती श्वेता अरुणा बंडी, श्रीमती नेत्रा अपूर्व पालविया एवं श्रीमती अनीता वेद सहित अनेक श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि प्रातः 5 बजे से ही कार्यकर्ताओं की समर्पित टीम–प्रीतेश जैन, अजय (नीतू) जैन, अजय (मिंटा) जैन, आमोद पहाड़िया, अमन जैन, रोहित जैन, तरुण जैन, श्रीमती खुशबू जैन, अंशुल जैन, अरिहंत जैन, अखिलेश (रिंकल) जैन, नरेश जैन, रितेश जैन, प्रमोद पहाड़िया, महेश जैन, आशीष जैन, श्रीमती सृष्टि जैन एवं श्रीमती किरण जैन–संपूर्ण व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यह शिविर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि संस्कार, संस्कृति और आत्मजागरण का सशक्त अभियान है, जो नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है।

स्वार्थ की कसौटी पर रिश्ते

अच्छाई की बदलती परिभाषा

✍ डॉ. सुनील जैन 'संचय'
suneelsanchay@gmail.com

आज का समय एक विचित्र मनोवैज्ञानिक द्वंद्व से गुजर रहा है। मानवीय संबंधों की गहराई, जो कभी संवेदना, समर्पण और समझदारी पर आधारित होती थी, आज धीरे-धीरे स्वार्थ की कसौटी पर कसी जाने लगी है। यह एक कटु सत्य बनता जा रहा है कि जब तक कोई व्यक्ति हमारे मनोनुकूल चलता है, हमारी अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहार करता है, तब तक वह 'अच्छा' कहलाता है; किन्तु जैसे ही वह अपनी स्वतंत्र सोच, अपने निर्णय या अपने आत्मसम्मान के अनुसार चलने लगता है, वही व्यक्ति 'खराब' की श्रेणी में डाल दिया जाता है।यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक और व्यावसायिक—हर क्षेत्र में गहराई तक पैठ बना चुकी है। मित्रता में यह देखने को मिलता है कि जब तक मित्र हमारी बातों से सहमत रहता है, वह प्रिय होता है; लेकिन असहमति होते ही दूरी और कटुता जन्म लेने लगती है।समाज में यह प्रवृत्ति और भी स्पष्ट दिखाई देती है। लोग अपने विचारों, मान्यताओं और जीवनशैली को ही अंतिम सत्य मान लेते हैं। जो व्यक्ति उनके

अनुरूप चलता है, वह 'सज्जन' और 'समझदार' है, जबकि जो भिन्न सोच रखता है, वह 'असमझ' या 'विरोधी' ठहरा दिया जाता है। इस मानसिकता ने सहिष्णुता और संवाद की संस्कृति को कमजोर कर दिया है। वास्तव में, यह समस्या हमारी 'अपेक्षाओं' और 'अहंकार' से उपजती है। हम दूसरों को अपने अनुसार ढालना चाहते हैं, उन्हें स्वतंत्र अस्तित्व के रूप में स्वीकार करने में असहज होते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि हर व्यक्ति की अपनी सोच, अपनी परिस्थितियाँ और अपना जीवन-दृष्टिकोण होता है। किसी की अच्छाई या बुराई का निर्धारण केवल इस आधार पर करना कि वह हमारे अनुकूल है या नहीं—यह न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि मानवीयता के मूल तत्वों के भी विपरीत है।सच्चाई यह है कि अच्छाई कोई सापेक्ष (relative) गुण नहीं होना चाहिए, जो हमारी सुविधा के अनुसार बदल जाए। अच्छाई का आधार व्यक्ति का चरित्र, उसका आचरण, उसकी निष्ठा और उसकी सत्यनिष्ठा होनी चाहिए—न कि उसकी हमारे प्रति सहमति या असहमति। जो व्यक्ति सत्य के मार्ग पर चलता है, जो अपने सिद्धांतों के प्रति ईमानदार है, वही वास्तव में अच्छा है, भले ही वह हमारे विचारों से भिन्न क्यों न हो।वास्तव में, यह प्रवृत्ति 'अहं' और 'अपेक्षा' के संयोग से उत्पन्न होती है। जब व्यक्ति अपनी स्वीकृति और प्रशंसा का अभ्यस्त हो जाता है, तब उसे विरोध या असहमति असहज लगने लगती है। वह अनजाने में ही दूसरों का मूल्यांकन इस आधार पर करने लगता है कि वे उसके अनुरूप हैं या नहीं। यही वह बिंदु है, जहाँ से अच्छाई की परिभाषा विकृत होने लगती है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने दृष्टिकोण में व्यापकता लाएँ। दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करें, उनके विचारों को सुनें और समझने का प्रयास करें। असहमति को विरोध नहीं, बल्कि विचारों की विविधता के रूप में स्वीकार करें। जब हम इस परिपक्वता को अपनाएँगे, तभी हमारे संबंध अधिक सुदृढ़ और सच्चे बन पाएँगे।अंततः, यह समझना आवश्यक है कि रिश्तों की सच्ची कसौटी 'अनुकूलता' नहीं, बल्कि 'स्वीकार्यता' है। जो व्यक्ति हमें हमारे गुण-दोष सहित स्वीकार करता है, वही सच्चा संबंध निभाता है। और जो केवल अपनी शर्तों पर ही संबंधों को बनाए रखना चाहता है, वह संबंधों की आत्मा को समझ ही नहीं पाया है।आज आवश्यकता है कि हम 'मनोनुकूलता' को अच्छाई का मापदंड बनाने की प्रवृत्ति से ऊपर उठें। अच्छाई का आधार निष्पक्षता, सहिष्णुता और सत्यनिष्ठा होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत स्वार्थ या अहंकार। जब विद्वत् और साधु वर्ग इस उच्च दृष्टिकोण को अपनाएँगे, तभी समाज में वास्तविक मूल्य और आदर्श स्थापित हो पाएँगे।इस बदलते समय में यदि हमें मानवीय मूल्यों को जीवित रखना है, तो हमें अपनी सोच को स्वार्थ की सीमाओं से ऊपर उठाना होगा और अच्छाई की परिभाषा को स्थायी, निष्पक्ष और मानवीय बनाना होगा।

कमला नगर जैन मंदिर, आगरा में भारतीय जैन मिलन का 32वां क्षेत्रीय अधिवेशन भव्यता के साथ सम्पन्न

समाजजनों में दिखा उत्साह, एकता और संगठन विस्तार पर हुआ मंथन

आगरा. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन, क्षेत्र संख्या-9 द्वारा 32वां क्षेत्रीय अधिवेशन रविवार को कमला नगर स्थित आचार्य विद्यासागर संत निलय, डी-ब्लॉक में अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रदीप जैन (पीएनसी) सहित विशिष्ट अतिथियों में विनय जैन सिंघल, सुरेन्द्र जैन, सीए विजय गोयल (कोषाध्यक्ष), अनिल जैन जाररखी, अनिल जैन (एडवोकेट), अतिवीर अरुण जैन एवं अतिवीर सुरेश चंद्र जैन धूपचंद उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया गया। अधिवेशन में समाज की एकता, संगठन विस्तार, युवा सहभागिता एवं सेवा कार्यों को बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने भारतीय जैन मिलन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में समाज सेवा, संगठन के प्रति समर्पण एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सराहना की गई। अधिवेशन ने समाज में नई ऊर्जा, उत्साह एवं एकजुटता का संदेश प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. पी.के. जैन, वीर सुशील कुमार जैन, वीर विमलेश कुमार जैन, अति वीरांगना सुषमा जैन, वीर नरेश कुमार जैन, अतिवीर सुरेश चंद्र जैन, वीर डॉ. राजीव जैन, वीर अनिल जैन, वीर सुरेश जैन 'ऋतुराज', अजय कुमार जैन, महेंद्र जैन, राजेश जैन, सुविधा जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

रिपोर्ट: शुभम जैन

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

नि:शुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर में 139 लाभान्वित, 15 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल युवा इकाई, कुचामन सिटी के सौजन्य से जैन स्कूल, पलटन गेट में मोहन नेत्रालय के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रसिद्ध फैको सर्जन डॉ. सौरभ बोथरा जैन एवं उनकी टीम द्वारा 139 लोगों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया। साथ ही मोतियाबिंद के उपचार हेतु 15 मरीजों का चयन किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में जैन स्कूल के अध्यक्ष कमल दादा पहाड़िया, मंत्री संतोष जैन, महावीर इंटरनेशनल के कोऑर्डिनेटर वीर सुभाष

पहाड़िया, अध्यक्ष रामावतार गोयल, वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, युवा अध्यक्ष आनंद-आशा सेठी एवं सचिव अजीत पहाड़िया मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन एवं महावीर प्रार्थना के साथ हुई। तत्पश्चात अतिथियों एवं पदाधिकारियों का स्वागत माला, साफा एवं दुपट्टा पहनाकर किया गया। इस अवसर पर सचिव विकास-नीतू पाटनी, कोषाध्यक्ष पारस-नेहा पहाड़िया, अर्पित, रॉबिन, शुभम, अमित पहाड़िया, आशीष-दीप्ति, राहुल झांझरी, प्रवीण-खुशबू डोसी, विशाल-राखी पटौदी, सुनीता गंगवाल, अशोक अजमेरा, सुरेश गंगवाल, तेजकुमार बड़जात्या, संपत बगड़िया, कार्तिक गोयल, शुभम-विशाल, सोनम काला, संदीप पांड्या सहित वीरा एवं युवा सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन वीर नंद किशोर बिडसर द्वारा किया गया।

संस्कार से शिखर तक

नवीन भंडारी

द्वितीय पड़ाव (5 से 15 वर्ष): अनुशासन और पहचान

यह वह आयु है जब बच्चा घर की सीमाओं से बाहर निकलकर समाज और विद्यालय की दुनिया में प्रवेश करता है। इसी दौर में उसके व्यक्तित्व की वास्तविक पहचान आकार लेने लगती है। अब तक मिले संस्कार उसके व्यवहार में झलकने लगते हैं और पारिवारिक वातावरण से मिले अनुभव उसकी सोच को दिशा देने लगते हैं। इस आयु में सबसे महत्वपूर्ण सीख यह है कि हार और जीत दोनों ही

जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। उदाहरण के तौर पर, जब बच्चा किसी खेल में हारता है और उसे पुनः प्रयास करने के लिए प्रेरित किया जाता है, तब उसके भीतर संघर्ष करने की शक्ति विकसित होती है। यही अनुभव उसे आगे बढ़ने का साहस देता है। यह समय बच्चे के भीतर अनुशासन की मजबूत नींव रखने का होता है। अनुशासन को बंधन नहीं, बल्कि जीवन को व्यवस्थित करने की शक्ति के रूप में समझाना आवश्यक है। जब बच्चा अपने छोटे-छोटे कार्य स्वयं करने लगता है और अपनी जिम्मेदारियों को समझता है, तब उसमें आत्मनिर्भरता और अनुशासन स्वाभाविक रूप से विकसित होता है। खेल और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाना भी इसी आयु की महत्वपूर्ण सीख है, जो उसके सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। बच्चे के जीवन में बड़ों का सान्निध्य केवल साथ नहीं, बल्कि एक जीवंत शिक्षा होता है। दादा-दादी अपने अनुभवों और कहानियों के माध्यम से धैर्य, साहस, सम्मान और संयम जैसे मूल्यों को सहज रूप में सिखाते हैं। ये शिक्षाएं बच्चे के मन में गहराई तक उतर जाती हैं। उनकी कहानियाँ केवल समय बिताने का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे बच्चे के व्यक्तित्व को दिशा देती हैं और उसे जीवन के संघर्षों का सामना करना सिखाती हैं। इस उम्र में सुनी हुई बातें और देखे गए व्यवहार गहरी छाप छोड़ते हैं। जब बच्चा साहस, संघर्ष और आदर्श जीवन की कहानियाँ सुनता है, तो उसके भीतर भी कुछ कर गुजरने की भावना जागृत होती है। यही अनुभव उसे लक्ष्य के प्रति समर्पित बनाते हैं।

दैनिक समाचार जगत
विश्वास आपका, साथ हमारा
हमसे जुड़ें

46 वर्षों से
निर्भीक, निष्पक्ष, सटीक, आपका अपना अखबार

स्वर्गीय श्री राजेंद्र के गोधा
संस्थापक

"दैनिक समाचार जगत" के सफल प्रकाशन के 46 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबंधन, संपादकीय टीम और समस्त 'समाचार जगत परिवार' को बहुत-बहुत बधाई।

निष्पक्ष पत्रकारिता और जन-सरोकार के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता सराहनीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपकी यह गौरवशाली यात्रा निरंतर प्रगति के नए सोपान तय करती रहे।

शुभेच्छु

राकेश जैन गोदिका
सम्पादक: शाबाश इंडिया

70वें अवतरण दिवस पर प्याऊ शुभारंभ के साथ सकोरे वितरित

जैन मित्र मंडल ने तीन दिवसीय सेवा व धार्मिक आयोजन किए

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

जैन मित्र मंडल द्वारा दिगम्बराचार्य जैन संत, सराकोद्धारक, समाधिस्थ षष्ठ पट्टाचार्य आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज का 70वां अवतरण दिवस त्रिदिवसीय समारोह के रूप में भव्यता एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, परोपकारी एवं जीवदया से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। मीडिया प्रभारी मनोज जैन नायक के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य संयोजक महेशचंद्र जैन (बंगाली) एवं संयोजक सुनीत जैन (ठेकेदार) के मार्गदर्शन में ज्ञानतीर्थ एवं बड़े जैन मंदिर में विविध आयोजन संपन्न हुए। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज ने अपने जीवन में सत्य, अहिंसा एवं शाकाहार का व्यापक प्रचार-प्रसार कर समाज को संयम और शांति का संदेश दिया। उनके बताए सिद्धांतों का अनुसरण करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

भक्तामर महाअर्चना एवं प्रश्न मंच का आयोजन

त्रिदिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन पंचायती बड़ा मंदिर परिसर में सकल जैन समाज की उपस्थिति में श्री 1008 भक्तामर पाठ महाअर्चना का आयोजन किया गया। जैन छात्रावास के अधीक्षक चक्रेश शास्त्री एवं छात्रों ने ढोल-मंजीरे की मधुर धुन से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जैन विद्वान नवनीत शास्त्री ने भक्तामर के प्रत्येक श्लोक का अर्थ समझाते हुए श्रद्धालुओं से दीप प्रज्वलन कराया। बिलोकसागर बालिका मंडल एवं महिला मंडलों द्वारा भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए गए। इसके पश्चात भक्तामर महिमा का गायन करते हुए आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज की महाआरती की गई। कार्यक्रम के अंत में आचार्य श्री के जीवन पर आधारित प्रश्न मंच आयोजित हुआ, जिसमें सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

त्रिदिवसीय आयोजन के अंतर्गत हरिजन थाने के समीप सार्वजनिक शीतल जल प्याऊ का

शुभारंभ किया गया। अतिथियों एवं पदाधिकारियों ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। अतिशय क्षेत्र टिकटोली के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, ओमप्रकाश जैन (गोपालपुरा), संजू जैन (अजेड़ा), सतेंद्र खनेता, मनोज नायक, सुनीत ठेकेदार एवं सुनील पुच्ची सहित अन्य गणमान्यजनों ने रिबन काटकर प्याऊ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को मिष्ठान एवं शरबत वितरित किया गया।

जीवदया अभियान के तहत सकोरे वितरण

भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जीवदया कार्यक्रम के तहत बड़े जैन मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए सकोरे वितरित किए गए। सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन इन पात्रों में स्वच्छ पानी भरेंगे, ताकि कोई भी पक्षी प्यास से न मरे। इसके साथ ही गौसेवा के अंतर्गत गौशाला में गुड़ एवं हरा चारा दान किया गया तथा कई स्थानों पर पशुओं के लिए पानी की सीमेंट टंकियां भी स्थापित की गईं। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधु, महिलाएं, युवा एवं जैन मित्र मंडल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने सेवा, श्रद्धा और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

सम्यक ग्रुप का मूवी दर्शन एवं वात्सल्य भोज कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा सदस्यों के मनोरंजन, पारस्परिक सौहार्द एवं सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार, 3 मई 2026 को मूवी दर्शन एवं सामूहिक वात्सल्य भोज कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया।

मूवी दर्शन से पूर्व हुई बैठक

कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रुप के सदस्य प्रातः 11 बजे सिनेपोलिस ज्वेल्स पहुंचे, जहां सभी ने एक साथ मूवी का आनंद लिया। मूवी प्रदर्शन से पूर्व थिएटर की लॉबी में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नव कार्यकाल का शुल्क जमा कराने, वर्षभर के कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार करने तथा सदस्यों की वैवाहिक वर्षगांठ पर सामूहिक शुभकामनाएं देने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

वात्सल्य भोज में दिखी आत्मीयता

मूवी दर्शन के पश्चात सभी सदस्य फख 14 रेस्टोरेंट पहुंचे, जहां सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान सदस्यों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए आपसी प्रेम, आत्मीयता एवं सौहार्द का परिचय दिया। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत पारिवारिक एवं आनंदमय रहा। कार्यक्रम में ग्रुप अध्यक्ष डॉ. इंद्र कुमार जैन एवं स्नेहलता जैन, सचिव नवल जैन एवं सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष मुकेश शाह एवं कल्पना शाह, संरक्षक महावीर बिंदायका एवं शकुंतला बिंदायका, संस्थापक अध्यक्ष महावीर बोहरा एवं लक्ष्मी बोहरा, संगठन सचिव सुनील ठोलिया एवं सीमा ठोलिया, विजय सोनी एवं सीमा सोनी, महेश जैन एवं सरला जैन, रोशन जैन एवं आशा जैन, राकेश जैन एवं ज्योति जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सामूहिक फोटोग्राफी के साथ समापन

कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने सामूहिक फोटोग्राफी कर इस यादगार आयोजन को संजोया। अंत में ग्रुप सचिव नवल जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की सफलता हेतु सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद, इंदौर की पदाधिकारी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद की द्वितीय पदाधिकारी परिषद की बैठक जाल सभागृह में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श के साथ सम्पन्न हुई। प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। श्रीमती अनामिका बाकलीवाल एवं अन्य महिलाओं द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में निकली स्वर्ण रथ यात्रा के सारथी रोहित गंगवाल परिवार, भोजन के पुण्यार्जक सुभाष सामरिया परिवार एवं अन्य सहयोगियों का सम्मान मुख्य समन्वयक डी.के. जैन, मुख्य संयोजक सुरेंद्र बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष पिंकेश टोंग्या एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन द्वारा पगड़ी, शाल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर किया गया। संस्था के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रथम बैठक में की गई घोषणाओं को पूर्ण करने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं। इनमें प्रमुख रूप से संविधान संशोधन कर आगामी चुनाव में समाज के प्रत्येक परिवार को जोड़ना तथा समाज के लिए मैरिज गार्डन का निर्माण करना शामिल है। संविधान संशोधन के लिए अशोक बड़जात्या की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। अशोक बड़जात्या ने बताया कि यह संविधान इंदौर शहर के प्रत्येक परिवार को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। बैठक में सौरभ पाटोदी को दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर अशोक बड़जात्या द्वारा शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में समाज के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, नरेंद्र वेद, कैलाश वेद सहित समाजश्रेष्ठी एस.के. जैन, वीर कुमार जैन, पिंकेश टोंग्या, नकुल पाटोदी, मुकेश टोंग्या, धीरेंद्र कासलीवाल, मनोज बाकलीवाल, राजेश लॉरेल, महावीर जैन, अनिल जैन, भरत जैन, धर्मेंद्र जैन, जयदीप जैन, एम.के. जैन (छावनी) सहित कुल 171 पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभा का संचालन संगठन मंत्री जेनेश झांझरी एवं प्रवक्ता मनीष अजमेरा द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन महामंत्री देवेंद्र सोगानी ने किया।

सब दौड़ में है — और मैं दिशा की खोज में हूं...!

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज का प्रेरक संदेश

परतापुर (बांसवाड़ा, राजस्थान)। प्रसन्न सागर एवं उपाध्याय पियूष सागर ससंघ इन दिनों परतापुर में विराजमान हैं। उनके सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा सब दौड़ में हैं, पर दिशा की खोज में कोई नहीं है। उन्होंने युवाओं को जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर जागरूक होने का संदेश दिया। आचार्य श्री ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, लेकिन युवा होने का वास्तविक अर्थ केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि जोश में होश, गति में दिशा, खान-पान में विवेक तथा जीवन में नैतिक, व्यवहारिक और धार्मिक संतुलन होना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का युवा व्यसन, संकीर्ण सोच और भटकाव के कारण अपनी दिशा खोता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में नीति से कमाना और रीति से खर्च करना अत्यंत आवश्यक है। हर व्यक्ति को धन के लेन-देन में आत्ममंथन करना चाहिए—यदि हम किसी से धन लेते हैं, तो सोचें कि क्या हम उसके योग्य हैं, और यदि देते हैं, तो यह भी विचार करें कि वह पात्र है या नहीं। आचार्य श्री ने कहा कि जीवन का संघर्ष जितना बड़ा होगा, सफलता उतनी ही मूल्यवान होगी। जहां कर्तव्य, सत्य और निष्कपटता होती है, वहीं परमात्मा का वास होता है। उन्होंने युवाओं की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आज की पीढ़ी शिक्षा, संस्कार और सामाजिक मूल्यों से दूर होती जा रही है। पढ़ाई के स्थान पर गलत संगति, नशा, इंटरनेट का दुरुपयोग, अधैर्य और अनुशासनहीनता जैसे अवगुण बढ़ते जा रहे हैं। इससे युवा दिशा-विहीन होकर स्वयं के साथ-साथ परिवार और समाज के लिए भी चुनौती बनते जा रहे हैं। आचार्य श्री ने कहा कि आज के युवा अपने कर्तव्यों को समझने में असफल हो रहे हैं और परंपराओं को पाखंड मानने लगे हैं, जो चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने अभिभावकों, समाज और देश के कर्णधारों से युवाओं के मार्गदर्शन पर विशेष ध्यान देने का आान किया। अंत में उन्होंने कहा कि ''युवाओं के भीतर असीम ऊर्जा और जुनून होता है, आवश्यकता केवल उसे सही दिशा देने की है।''

प्रेषकः नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल (औरंगाबाद)

जैन सोशल ग्रुप संस्कार की अंताक्षरी प्रतियोगिता में गूंजे सुरीले तराने

अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के निर्देशन में आठ टीमों के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संस्कार द्वारा उदयपुर मार्बल एसोसिएशन भवन में भव्य अंताक्षरी प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन के कुशल निर्देशन में आयोजित अंताक्षरी प्रतियोगिता को प्रोजेक्टर के बड़े स्क्रीन पर सुव्यवस्थित एवं रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे अंत तक रोमांच बना रहा। प्रतियोगिता में आठ टीमों—दीवाने, परवाने, मस्ताने, अफसाने, आन, बान, शान और जान—ने भाग लेकर अपने सुरों का जादू बिखेरा।

सात राउंड में दिखी प्रतिभा और हाजिरजवाबी

प्रतियोगिता के सात आकर्षक राउंड—साधारण राउंड, प्रॉप राउंड, वीडियो (गाना व मूवी) राउंड, ट्यूनिंग राउंड, मुखड़ा-अंतरा, उल्टा-पुल्टा एवं डायलॉग राउंड—ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेषकर डायलॉग और उल्टा-पुल्टा राउंड में प्रतिभागियों की हाजिरजवाबी ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

विजेता टीमों को किया गया सम्मानित

रोमांचक मुकाबले में संस्कार की शान टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संस्कार के मस्ताने टीम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि संस्कार की आन एवं संस्कार की बान संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहीं। सभी विजेता टीमों को पुरस्कृत किया गया।

प्रतिभाओं का हुआ विशेष सम्मान

संस्थापक अध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान जुहिल कोठारी को राजस्थान प्रशासनिक सेवा में 51वीं रैंक प्राप्त करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उन्हें माला, उपरणा, पगड़ी एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर उनके परिवार का भी बहुमान किया गया। इसके अतिरिक्त, ग्रुप के उपाध्यक्ष विनोद लसोड़ को डूंगला मित्र मंडल के प्रथम अध्यक्ष मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इस वर्ष जुड़े आठ दम्पति सदस्यों को शपथ ग्रहण करवाया गया। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य बंकेश सोनी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मनीष पोखरना, जितेंद्र धाकड़, चन्द्रकांता मेहता सहित सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम की शुरूआत हाई टी के साथ हुई और लजीज व्यंजनों के साथ समापन हुआ। अंत में सचिव जितेंद्र धाकड़ ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ममता का किला ढहा, भगवा लहर का उदय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 206 सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया। एंटी-इनकंबेंसी, घुसपैठ, भ्रष्टाचार और नागरिकता संशोधन कानून ने मातुआ वोटों को एकजुट किया। ममता की ''अजेय'' छवि टूटी और विपक्ष कमजोर पड़ा। राष्ट्रीय गठबंधन प्रभावित हुआ तथा पूर्वी भारत में भाजपा का विस्तार हुआ। नई सरकार विकास और कानून-व्यवस्था पर फोकस करेगी, हालांकि हिंसा रोकना एक बड़ी चुनौती रहेगी। यह जीत लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक है।

बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, राजनीतिक मायने और विपक्ष का संकट

डॉ. प्रियंका सौरभ

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत ने न केवल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षीय शासन को समाप्त किया, बल्कि भारतीय राजनीति के परिदृश्य को भी बदल दिया। अंतिम परिणामों के अनुसार, भाजपा ने 294 सीटों वाली विधानसभा में 206 सीटें हासिल कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया, जबकि तृणमूल कांग्रेस 81 सीटों तक सिमट गई। कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जैसे पारंपरिक विपक्षी दल क्रमशः 2-3 और 1-2 सीटों तक सीमित रह गए। यह परिणाम 2021 के चुनाव से बिल्कुल उलट हैं, जब तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत प्राप्त किया था। भाजपा का वोट प्रतिशत 2016 के लगभग 10% से बढ़कर 2024 के लोकसभा चुनावों में 39% तक पहुंचा और अब यह पूर्ण सत्ता में परिवर्तित हो गया। इस जीत के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण रहे। सबसे प्रमुख एंटी-इनकंबेंसी लहर रही। ममता सरकार पर भ्रष्टाचार, कटमनी, घुसपैठ और राजनीतिक हिंसा के आरोप लगे। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची से 27 लाख कथित फर्जी नाम हटाए गए, जिससे घुसपैठ का मुद्दा प्रमुख बन गया। मातुआ समुदाय, जो बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों का बड़ा वर्ग है, नागरिकता संशोधन कानून के लागू होने के बाद भाजपा के पक्ष में एकजुट हुआ। इसके अतिरिक्त कानून-व्यवस्था की स्थिति और ग्रामीण क्षेत्रों में हिंसा की घटनाओं ने भी मतदाताओं को प्रभावित किया। पहले चरण में 92.88% मतदान इस असंतोष को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आक्रामक प्रचार ने चुनावी माहौल को और तेज किया। ''अंग-बंग-कलिंग'' (बंगाल, बिहार, ओडिशा) में भाजपा शासन का नारा दिया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुत्व और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उच्च मतदान ने विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। ममता बनर्जी की 'अजेय दीदी' की छवि इस हार के साथ कमजोर हो गई। 2011 से सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस को अब विपक्ष की भूमिका निभानी होगी। पार्टी में आंतरिक मतभेद बढ़ने की संभावना है। ममता बनर्जी ने चुनाव परिणामों को लेकर कई आरोप लगाए, लेकिन परिणाम स्पष्ट रूप से सत्ता परिवर्तन की ओर संकेत करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी इस जीत के व्यापक प्रभाव हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र सरकार को अब एक महत्वपूर्ण राज्य में मजबूती मिली है। पूर्वी भारत में भाजपा का विस्तार तेज हुआ है। इससे राष्ट्रीय राजनीति में विपक्ष की स्थिति और कमजोर हो सकती है। आगामी उत्तर प्रदेश 2027 और बिहार चुनावों पर भी इसका प्रभाव पड़ने की संभावना है। विपक्ष की स्थिति कमजोर दिखाई दे रही है। कांग्रेस और वाम दलों की भूमिका सीमित हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के सामने पुनर्गठन की चुनौती है। विपक्ष को नई रणनीति अपनानी होगी ताकि वह प्रभावी भूमिका निभा सके। सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से नई सरकार विकास, कानून-व्यवस्था और घुसपैठ रोकने पर ध्यान देगी। मातुआ समुदाय को नागरिकता संशोधन कानून के लाभ मिलने की संभावना है। हालांकि राजनीतिक हिंसा को नियंत्रित करना और सांस्कृतिक संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा। रोजगार, शिक्षा और महिलाओं के मुद्दे सरकार के एजेंडे में प्रमुख रहेंगे। भविष्य की दृष्टि से यह चुनाव महत्वपूर्ण संकेत देता है कि जनता परिवर्तन चाहती है। लोकतंत्र में जनता की इच्छा सर्वोपरि होती है। यह जीत न केवल एक राजनीतिक बदलाव है, बल्कि एक नए दौर की शुरूआत का संकेत भी है।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

जेएसजी महानगर ग्रुप के सामाजिक कार्यक्रम के 5 वर्ष पूर्ण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर द्वारा दिनांक 5 अप्रैल 2026 को प्रातः 8:30 बजे दुर्गापुरा गौशाला में 60वें सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत चारा वितरण किया गया। इस अवसर पर गायों को हरा चारा, लौकी, ककड़ी, गुड़, लड्डू, रोटी, तरबूज एवं खरबूजा आदि खिलाया गया। महानगर ग्रुप के इस कार्यक्रम के 5 वर्ष पूर्ण होने पर निवर्तमान अध्यक्ष श्री संजय छाबड़ा ने कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष श्री रवि प्रकाश जैन का माला, शॉल एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री छाबड़ा ने बताया कि यह सामाजिक कार्यक्रम आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया था, जो आज तक बिना किसी व्यवधान के प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को निरंतर आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर महानगर ग्रुप परिवार की ओर से अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल एवं उपाध्यक्ष श्री सुनील गंगवाल ने भी श्री रवि प्रकाश जैन का माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। महानगर ग्रुप द्वारा यह कार्यक्रम ''पुण्यार्जक'' के माध्यम से प्रत्येक माह आयोजित किया जाता है। रविवार, दिनांक 5 अप्रैल 2026 के कार्यक्रम के पुण्यार्जक महानगर ग्रुप के संस्थापक सदस्य श्री अजीत जी एवं श्रीमती सुनीता जी पाटौदी रहे। महानगर ग्रुप के अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल एवं सचिव श्री विनीत जैन ने कार्यक्रम के पुण्यार्जक श्री अजीत जी, श्रीमती सुनीता जी पाटौदी तथा उपस्थित सभी

परिवारजनों का माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। सामाजिक कार्यक्रम के संयोजक श्री रवि प्रकाश जैन ने बताया कि महानगर ग्रुप का यह 60वां कार्यक्रम निरंतर रूप से सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा है। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री राजीव जैन, श्री संजय छाबड़ा, उपाध्यक्ष श्री सुनील गंगवाल, सचिव श्री विनीत जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्री अनुज जैन, श्रीमती अमिता जैन, श्री सुनील गोधा, श्री प्रमोद गंगवाल तथा सदस्य श्री कमलेश-माया जैन, श्री पुखराज-गीतिका जैन, श्री वीरेंद्र कुमार जैन, श्री राजेंद्र जैन, श्री राजकुमार जैन, श्री संदीप जैन आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

धन्यवाद।

रवि प्रकाश जैन

संयोजक, सामाजिक सहायता कार्यक्रम

सुशील कासलीवाल: अध्यक्ष

विनीत जैन: सचिव

जैन सोशल ग्रुप महानगर

फागलवा सीनियर स्कूल में बस्ते वितरित

सेठ हरदेवदास अग्रवाल सीनियर स्कूल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सेठ प्रहलाद राय अग्रवाल द्वारा कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं को बैग वितरित किए गए। बैग पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर रौनक नजर आई। इस अवसर पर प्राचार्य सुनील कुमार मीणा, उप प्राचार्या एकता चौधरी, भगवान सिंह, बजरंग लाल शर्मा, नर्सिंग अधिकारी सुभाष थालोड़, लक्ष्मण सेवदा, महेंद्र काला, बजरंग लाल गोवला, उप प्राचार्य नरेश कुमार, रघुवर कुमार निर्मल, सुमन कुलहरी, कौशल्या कुमारी, विजयलक्ष्मी सहित समस्त स्कूल स्टाफ एवं गांव के लोग उपस्थित रहे। प्राचार्य सुनील कुमार मीणा एवं उप प्राचार्या एकता चौधरी ने भामाशाह प्रहलाद राय अग्रवाल का आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र की आहुति...!

चुनाव में कोई हारा है, कोई हुआ है जीता,
लोकतंत्र की आहुति में योगदान देना सीखा।
झालमुड़ी का ''करिश्मा'' अब भी नहीं पड़ा फीका,
किस-किस ने चखा स्वाद, किसे लगा है तीखा।

यहाँ हर कदम पर 'भय' का था वातावरण,
महिलाओं ने बेधड़क किया मतदान-आचरण।
जिसने दिया भयमुक्त शासन का आश्वासन,
वही पाएगा सत्ता, वही करेगा शासन।

यूँ जनता ने अपना भी फैसला लिख दिया,
न जाने किस-किस को किस मोड़ पर निराश किया।
किसी के नेतृत्व ने हार का रिकॉर्ड बनाया,
तो किसी ने 'वन टाइम' इतिहास रच दिखाया।

यहाँ पर मैंने किसी को भी निराश नहीं किया,
हिमंता को फिर विकास का जिम्मा सौंप दिया।
विपक्षी को मानो केरल का 'उपहार' दिया,
वोट की ताकत ने रंग दिखा सबको रिझाया।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर, मध्य प्रदेश

आचार्य विराग सागर महामुनिराज का 64वां अवतरण दिवस सादगीपूर्वक मनाया गया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के 50वें स्वर्णिम स्थापना दिवस महोत्सव के अंतर्गत हेरिटेज संभाग द्वारा गणाचार्य, समाधि सम्राट आचार्य विराग सागर जी महाराज का 64वां अवतरण दिवस ''एक पहल–हर कदम जीव दया सेवा, जियो और जीने दो'' की भावना के साथ दुगार्पुरा गौशाला में सादगीपूर्वक मनाया गया। प्रदेश मंत्री विनोद पापड़ीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि संयोजक संजय छाबड़ा, सुमन गंगवाल एवं ऋषभ गंगवाल तथा जैन मित्र मंडल के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गौशाला में गौ माता को चारा, लड्डू एवं अन्य खाद्य सामग्री अर्पित कर सेवा की गई। अध्यक्ष रूपेन्द्र जैन एवं मंत्री नरेश छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, प्रमुख समाजसेवी आशा जी बज, राजस्थान जैन सभा के राजकुमार बड़जात्या, वरिष्ठ सलाहकार अजीत-इंदू सौगानी, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, हेरिटेज संभाग की संयुक्त मंत्री सुनीता गंगवाल, सांस्कृतिक मंत्री अंजना शाह, कोषाध्यक्ष संतोष छाबड़ा, मनीता छाबड़ा एवं ममता जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने जीव दया एवं सेवा के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज, कोटा के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष राकेश पाटोदी, महामंत्री पारस बज व कोषाध्यक्ष पवन पाटोदी निर्वाचित

कोटा. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज (केंद्रीय इकाई) के चुनाव रविवार को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए। चुनाव संदीप जैन (एडवोकेट), राकेश जैन (एडवोकेट) एवं सहयोगी चुनाव अधिकारियों के सानिध्य में आयोजित किए गए। मतदान आरोग्य नगर स्थित जैन जन उपयोगी भवन में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक संपन्न हुआ। अध्यक्ष पद पर राकेश पाटोदी तथा कोषाध्यक्ष पद पर पवन पाटोदी निर्विरोध निर्वाचित हुए। महामंत्री पद के लिए कुंतीलाल ईश्वर सोनी, सन्मति कासलीवाल एवं पारस बज के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें पारस बज विजयी रहे। मीडिया प्रभारी पारस जैन ने बताया कि चुनाव में वरिष्ठजनों एवं समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही। पूर्व अध्यक्ष अशोक पहाड़िया एवं पूर्व महामंत्री महावीर शाह सहित अन्य सदस्यों ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई दी। निर्विरोध चुनाव के लिए महेश गंगवाल, विनोद सोनी, राजकुमार पाटनी एवं मनोज नगेदा द्वारा नाम वापस लेने पर आभार व्यक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राकेश पाटोदी ने समाज के उत्थान हेतु निरंतर प्रयास करने तथा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। नवीन कार्यकारिणी का कार्यकाल 2026 से 2028 तक रहेगा। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन ''पार्श्वमणि'' (पत्रकार, कोटा) ने बताया कि चुनाव उपरांत वात्सल्य भोज भी आयोजित किया गया।

स्व. श्री गोपाल लाल सोगण की स्मृति में परिंडा अभियान व बाल रंगमंच कार्यशाला आयोजित

चौमूं. शाबाश इंडिया। श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान, चौमूं के तत्वावधान में स्वर्गीय श्री गोपाल लाल सोगण की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय, चौमूं में ''पक्षियों के लिए परिंडा लगाओ'' अभियान एवं बाल रंगमंच कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय परिसर में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए तथा उनके संरक्षण की सामूहिक प्रतिज्ञा ली गई। इस अवसर पर आयोजित बाल रंगमंच कार्यशाला में बच्चों को रंगमंच की बारीकियों, अभिव्यक्ति की कला तथा व्यक्तित्व विकास में नाट्यकला के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में सुनील सोगण द्वारा रंगमंच की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के समापन पर सुनील सोगण ने ''पर्यावरण बचाओ'' विषय पर प्रभावशाली एकल नाटक की प्रस्तुति दी, जिसने विद्यार्थियों एवं अध्यापकों को जागरूक व प्रेरित किया। संस्थान के सचिव घनश्याम जांगिड़ ने अपने संबोधन में मानव जीवन में पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गिरधारी लाल जाट ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। वरिष्ठ अध्यापक रामजी लाल शर्मा ने भी पक्षियों के लिए परिंडे लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इस अवसर पर सुभाष चंद शर्मा, रोहित कुमार शर्मा, राकेश जी, श्रीमती सुमन देवी सहित विद्यालय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्रमण संघ के आगमन पर दिखा सामाजिक समरसता और प्रशासनिक समन्वय का अनोखा संगम

वात्सल्य मूर्ति आचार्य 108 श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज का पिपलाई में ससंघ मंगल प्रवेश

बामनवास. शाबाश इंडिया। श्रमण तपस्वी आचार्य 108 श्री पद्मनन्दी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य, वात्सल्य मूर्ति श्रमण गौरव आचार्य 108 श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज का ससंघ निवाई से श्री महावीरजी के लिए चल रहे मंगल विहार के अंतर्गत पिपलाई में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। उनके साथ परम पूज्य श्रमण उत्कृष्ट नन्दी जी एवं नाभिनन्दी जी महाराज का आगमन भी श्रद्धालुओं के लिए हर्ष का विषय रहा। पिपलाई कस्बे में प्रवेश से पूर्व दिगम्बर जैन मंदिर के पदाधिकारियों ने आचार्य श्री का श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। प्रवेश के उपरांत श्रमण संघ ने मंदिर में भगवान के दर्शन कर ध्यानमग्न होकर विशेष पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात श्रमण संघ के सानिध्य में विश्वशांति हेतु भव्य शांतिधारा का आयोजन किया गया, जिसका सौभाग्य मंदिर के प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार जैन को प्राप्त हुआ। इस आयोजन से मंदिर परिसर में आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संचार हुआ और उपस्थित श्रावक-श्राविकाएँ भाव-विभोर होकर इसका लाभ लेते रहे। पिपलाई में एक बार फिर गुर्जर समुदाय ने उदारता का परिचय देते हुए निरंतर आहार-चर्या संपन्न कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ज्योति शिक्षण संस्थान के निदेशक अखलेश गुर्जर ने इसमें विशेष भूमिका निभाई। आहार-चर्या में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रमण संघ के पैदल विहार, ठहराव एवं भीषण गर्मी (हीटवेव) को ध्यान में रखते हुए उपखण्ड स्तरीय प्रशासन ने उनके स्वास्थ्य एवं व्यवस्थाओं के लिए सराहनीय कार्य किया। इसके लिए जैन समुदाय ने उपजिला कलेक्टर एवं प्रशासनिक अधिकारियों सहित गुर्जर समाज के प्रति आभार व्यक्त किया।

7वें डिस्ट्रिक्ट योगासन टूर्नामेंट में छात्रों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 2 एवं 3 मई 2026 को पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित 7वें डिस्ट्रिक्ट योगासन टूर्नामेंट में महावीर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में छात्रों ने ट्रेडिशनल इवेंट एवं आर्टिस्टिक सोलो श्रेणियों में भाग लिया। विद्यालय के प्रतिभागी छात्रों में कक्षा 10 के गर्वित गुप्ता, कक्षा 9 के अंश जैन एवं प्रणव गौर, कक्षा 8 के देवांश टेकवाल, कक्षा 7 के प्रथम सारस्वत, हुनर यादव, ऋत्विक जैन तथा अर्थ चोरडिया शामिल रहे। अंडर-14 वर्ग में प्रणव गौर ने तीन विभिन्न श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण एवं 2 रजत पदक प्राप्त किए। वहीं प्रथम सारस्वत ने ट्रेडिशनल योगासन में 1 रजत पदक हासिल किया। अंडर-18 वर्ग में गर्वित गुप्ता ने तीन अलग-अलग श्रेणियों में भाग लेते हुए 3 कांस्य पदक जीते, जबकि अंश जैन ने ट्रेडिशनल योगासन में 1 रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसके अतिरिक्त विद्यालय के योग प्रशिक्षक प्रियांशु जैन ने ट्रेडिशनल योगासन की विशेष तैयारी के साथ 18-21 वर्ष आयु वर्ग में भाग लेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। विद्यालय के मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया, अन्य कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दिगम्बर जैन महिला परिषद का दो दिवसीय अधिवेशन संपन्न

इंदौर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महिला परिषद का दो दिवसीय 39वां राष्ट्रीय अधिवेशन चंद्रलीला रिसोर्ट, इंदौर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अधिवेशन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि युवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत समैया एवं विशेष अतिथि हंसमुख गांधी रहे। कार्यक्रम की शुरूआत परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, केंद्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन, सुमन जैन, पुष्पा कासलीवाल एवं प्रतिभा बांझल द्वारा ध्वजारोहण एवं भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। केंद्रीय अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन ने स्वागत भाषण में देशभर से आए पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए बताया कि उनके चार वर्षीय कार्यकाल में 19 प्रांतों में सक्रिय परिषद की इकाइयों ने ''सर्व कल्याणम'' ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए धर्म, समाज, संस्कृति, गौ सेवा एवं मानव सेवा के क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। केंद्रीय महासचिव श्रीमती प्रभा

जैन ने सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि परिषद की शाखाओं द्वारा देश-विदेश में अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की गईं। स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, जरूरतमंदों को चिकित्सा एवं शिक्षा सहायता, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु सिलाई मशीनों का वितरण, स्कूलों में लैपटॉप, पंखे एवं वाटर कूलर उपलब्ध कराना तथा दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल व अन्य उपकरण प्रदान करना प्रमुख उपलब्धियाँ रहीं। मुख्य अतिथि प्रशांत समैया ने परिषद द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों को सराहनीय बताया, वहीं विशेष अतिथि हंसमुख गांधी ने कहा कि समाज में महिला प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बेटियों को अवसर और बेटों को संस्कार देने की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं को व्यवसाय की ओर भी प्रेरित करने का आह्वान किया। अधिवेशन में विभिन्न प्रांतों से आए संभागों ने आकर्षक बैनर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किए। मीडिया प्रभारी मुक्ता राजेश जैन एवं रुचि चोविश्या जैन ने बताया कि समापन सत्र में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने आगामी कार्यकाल के लिए श्रीमती शकुंतला सिंघई को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जैन ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए अध्यक्षीय पदभार सौंपा। नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला सिंघई ने अपने संबोधन में परिषद के 100 वर्षीय गौरवशाली इतिहास को नमन करते हुए 'सहज सेवा' को अपने कार्यकाल की थीम घोषित किया। उन्होंने धर्म, शिक्षा, तीर्थ, समाज सेवा, संस्कार, युवा मार्गदर्शन एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीमती प्रभा गंगवाल, आशा विनायका, रुचि चोविश्या, सरला सामरिया, शिल्पा जैन (तेलंगाना), प्रियंका जैन, संगीता सोगानी, सुनीता पाटनी सहित अनेक महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं। सभी ने श्रीमती सिंघई का स्वागत मोतियों की माला एवं दुपट्टा पहनाकर किया। कार्यक्रम का संचालन नीता धवल जैन, कौशल्या पतंग्या एवं हेमलता गोधा ने किया।

तीर्थंकर ग्रुप का शपथग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'तीथंकर' जयपुर की नवीन कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र संघीजी मंदिर, सांगानेर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में इंदौर से पधारे राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश बड़जात्या ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। उनका चयन फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी द्वारा किया गया था। शपथग्रहण की प्रक्रिया में सर्वप्रथम निदेशक मंडल को, तत्पश्चात विभिन्न उपाध्यक्ष स्तर के पदाधिकारियों को तथा अंत में कोषाध्यक्ष, सचिव एवं अध्यक्ष को क्रमवार शपथ दिलाई गई। इससे पूर्व ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन मणि एवं डॉ. शांति जैन मणि ने राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव राजेश बड़जात्या एवं उनकी धर्मपत्नी का माला, दुपट्टा एवं साफा पहनाकर स्वागत किया तथा स्मृति-चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के अंत में सचिव सुरेश गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मन को स्थिर किए बिना ध्यान संभव नहीं: वैज्ञानिक धमार्चार्य कनक नंदी गुरुदेव

अजीत कोठिया, डडूका

भिलुड़ा। शिवगौरी आश्रम (भिलुड़ा) से आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार में वैज्ञानिक धमार्चार्य कनक नंदी जी गुरुदेव ने कहा कि मन को स्थिर किए बिना ध्यान संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि जो पद तपस्वियों एवं मत्सर रहित मुनियों के लिए भी दुर्लभ है, वह चित्त का निरोध करने वाले धीर-वीर साधकों को प्राप्त होता है। गुरुदेव ने कहा कि केवल भूखा रहना ही तप नहीं है। यदि साधु का मन स्थिर नहीं है और वह केवल बाह्य तप करता है, तो उत्तम पद की प्राप्ति असंभव है। मन को नियंत्रित करना अत्यंत कठिन है—शरीर वृद्ध हो सकता है, लेकिन मन अधिक चंचल और तरुण बना रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ''सुनो सबका, करो मन का'' श्रेष्ठ सिद्धांत नहीं है, क्योंकि मन में निरंतर संकल्प-विकल्प चलते रहते हैं। ऐसे में मन स्थिर नहीं रह पाता और सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। मन में ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, क्रोध, मान, माया, लोभ, राग आदि विकार होने पर व्यक्ति चाहे तीर्थस्थल पर हो या मंदिर में, शांति प्राप्त नहीं कर सकता। गुरुदेव ने कहा कि अनंत जन्मों से बंधे कर्मों का नाश भी शुद्ध भाव से संभव है। ध्यान की अग्नि में एकाग्र होकर मन को स्थिर करना ही वास्तविक ध्यान है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे सभी साधन होने पर भी यदि भोजन सामग्री न हो तो भोजन नहीं बन सकता, उसी प्रकार मन की स्थिरता के बिना ध्यान संभव नहीं है। आत्मा की शक्ति को उन्होंने अत्यंत प्रबल बताते हुए कहा कि यह किसी भी बाहरी शक्ति से अधिक प्रभावशाली है। कार्यक्रम में मुनि श्री सुविज्ञ सागर जी ने आचार्य श्री की रचना ''मेरा मन दर्पण सम होय, मेरा भाव दर्पण सम होय'' के माध्यम से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। इस संबंध में जानकारी विजयलक्ष्मी गोदावत, सागवाड़ा द्वारा दी गई।

पक्षियों के पेयजल प्रबंधन हेतु सकोरे वितरित

अजीत कोठिया, डडूका

गढ़ी-परतापुर. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के इस दौर में पक्षियों के लिए पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल, गढ़ी-परतापुर द्वारा सकोरे वितरण अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) वीर अजीत कोठिया ने किया। कार्यक्रम का संयोजन सचिव रामभरत चेजारा एवं सांस्कृतिक सचिव कुलदीप वसीटा द्वारा किया गया। अभियान के अंतर्गत पायोनियर स्कूल, पीडब्ल्यूडी कार्यालय (अधिशाषी अभियंता), खेलकूद केंद्र नवयुवक मंडल गढ़ी-गार्डन, रोकड़िया पेट्रोल पंप तथा ग्रीन फील्ड स्कूल, परतापुर सहित विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के सकोरे रखे गए। इस अवसर पर पायोनियर स्कूल एवं ग्रीन फील्ड विद्यालय के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। सभी ने प्रतिदिन पक्षियों को पानी पिलाने तथा बेजुबान पक्षियों एवं जानवरों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लिया।

विद्यालय ही ज्ञान मंदिर, किताबों से जुड़ाव ही सच्ची साधना: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

अहिंसानगर स्थित समीर गुरु विद्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में श्रमण संघीय युवाचार्य प्रवर महेन्द्र ऋषिजी ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारों का महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल अध्ययन का केंद्र नहीं, बल्कि एक 'ज्ञान मंदिर' है, जहाँ पुस्तकों से जुड़ाव ही सच्ची साधना का आधार बनता है। जिस प्रकार मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की जाती है, उसी भाव से विद्यालय में अध्ययन करना चाहिए। युवाचार्यश्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किताबें केवल परीक्षा में सफलता का माध्यम नहीं हैं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली अमूल्य धरोहर हैं। इसलिए विद्यार्थियों को पुस्तकों से प्रेम करते हुए निरंतर अध्ययन और लेखन की आदत विकसित करनी चाहिए। उन्होंने आधुनिक युग में मोबाइल के बढ़ते उपयोग पर संयम रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि तकनीक का उपयोग सीमित और उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए। साथ ही, हस्तलिखित अभ्यास के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जितना अधिक हम अपने हाथों से लिखते हैं, उतना ही मस्तिष्क सक्रिय होता है और नई ऊर्जा का संचार होता है। नियमित लेखन से एकाग्रता और स्मरण शक्ति भी सुदृढ़ होती है। इस अवसर पर मेवाड़ उपप्रवर्तक कोमल मुनि ने भी आशीर्वचन देते हुए कहा कि परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ किया गया अध्ययन निश्चित ही सफलता की ओर ले जाता है। कार्यक्रम में अहिंसा प्रचारक जैन संघ से जुड़े पवन पटवारी, अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच के प्रकाश नाहर, जैन दिवाकर संगठन समिति के पूर्व अध्यक्ष सुनील बोहरा, मीरानगर सामायिक भवन के अध्यक्ष लक्ष्मीलाल लोढ़ा, जैन कॉन्फ्रेंस के सूर्यप्रकाश सिरोया सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित रहीं। समीर गुरु विद्यालय के प्रबंधक प्रकाश वीरवाल ने युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी, उपप्रवर्तक कोमल मुनि जी, हितमित भाषी हितेंद्र ऋषि, उपप्रवर्तिनी दिव्य ज्योति महासती तथा सुचेता महासती सहित संत-साध्वियों का विद्यालय परिवार की ओर से गरिमापूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया।

जवाहर कला केंद्र द्वारा जूनियर समर कैम्प-2026 का आयोजन 16 मई से 20 जून तक

जयपुर. शाबाश इंडिया। कला, साहित्य एवं संस्कृति के क्षेत्र में बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जवाहर कला केंद्र द्वारा जूनियर समर कैम्प-2026 का आयोजन 16 मई से 20 जून 2026 तक किया जाएगा। इस कैम्प में 8 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को संगीत, नृत्य, नाट्य, दृश्य कला एवं साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कैम्प के अंतर्गत संगीत एवं नृत्य कला में सुगम गायन, बांसुरी, तबला, गिटार, वॉयलिन, राजस्थानी वाद्ययंत्र, सिंथेसाइजर/पियानो वादन, राजस्थानी लोक नृत्य, कथक एवं समसामयिक नृत्य (कंटेम्परेरी डांस) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन कार्यशालाओं की अवधि 30 दिवस होगी। कक्षाओं का समय प्रातः 8:00 बजे से 11:00 बजे तक रहेगा, जबकि समसामयिक नृत्य सायं 4:00 से 6:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। नाट्य कला के अंतर्गत भी 30 दिवसीय कार्यशाला प्रातः 8:00 से 11:00 बजे तक संचालित की जाएगी, जिससे बच्चों के व्यक्तित्व विकास, अभिव्यक्ति क्षमता एवं सामाजिक समझ को सुदृढ़ किया जा सके। दृश्य कला एवं साहित्य के अंतर्गत फड़ मेकिंग, डूडल आर्ट, लिपन आर्ट, फ्लावर मेकिंग, फोटोग्राफी, मधुबनी एवं पोर्ट्रेट जैसी कार्यशालाएं 27 दिवस की होंगी, जबकि कैलिग्राफी, विजुअल स्टोरी टेलिंग एवं स्टोरी मेकिंग की कार्यशालाएं 21 दिवस की अवधि की होंगी। 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए स्टोरी ट्री तथा कहानी/कविता वाचन की कार्यशालाएं 17 दिवस की अवधि की रहेंगी, जिनका आयोजन सायं 4:00 से 6:00 बजे तक किया जाएगा। कैम्प में विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क 1000 रुपए से 1500 रुपए तक निर्धारित किया गया है। प्रवेश सीमित है और ''पहले आओ, पहले पाओ'' के आधार पर दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी 6 मई 2026 (प्रातः 10:00 बजे) से 9 मई 2026 (सायं 4:00 बजे) तक ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ जन्म प्रमाण-पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड संलग्न करना अनिवार्य होगा तथा शुल्क निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जमा करना होगा। कैम्प के सफल संचालन हेतु योग्य एवं अनुभवी प्रशिक्षकों, संगतकारों एवं सहायकों से भी आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 6 से 7 मई 2026 (प्रातः 10:00 से सायं 6:00 बजे तक) तथा 8 मई 2026 (प्रातः 10:00 से दोपहर 2:00 बजे तक) अपना आवेदन पत्र जीवन-परिचय सहित केंद्र के स्वागत कक्ष में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशिक्षकों, सहायकों एवं संगत कलाकारों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। नाट्य कला हेतु साक्षात्कार 9 एवं 10 मई 2026, दृश्य कला एवं साहित्य हेतु 11 मई 2026 तथा संगीत-नृत्य हेतु 12 मई 2026 को प्रातः 11:00 से सायं 6:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।

दिगम्बर जैन महिला महासमिति, टोंक संभाग द्वारा परिंडा अभियान आयोजित

टोंक. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी को देखते हुए दिगम्बर जैन महिला महासमिति, टोंक संभाग द्वारा पक्षियों के लिए परिंडे बांधने का अभियान चलाया गया। ''हर घर हो परिंडा, तो प्यासा न रहे परिंदा'' के संदेश के साथ आयोजित इस अभियान में महासमिति की सभी सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अध्यक्ष सरोज जैन एवं मंत्री रेखा जैन ने बताया कि गर्मी के इस दौर में पक्षियों के लिए पेयजल की व्यवस्था करना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाए गए, ताकि पक्षियों को आसानी से पानी उपलब्ध हो सके। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे अपने घरों के बाहर परिंडे लगाकर बेजुबान पक्षियों की सेवा में सहयोग करें।

हित-अहित का विचार कर कार्य करने से मिलती है सफलता: राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

मुंगावली. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए हित और अहित का विवेक आवश्यक है। किस कार्य में लाभ है और किसमें हानि–इसका विचार कर ही कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि साधक तत्वों के साथ-साथ बाधक तत्वों का भी ज्ञान होना चाहिए तथा अपनी प्रवृत्ति को समझकर ही आगे बढ़ना चाहिए। मुनिश्री ने शास्त्रीय भाषा में इसे ''भेद विज्ञान'' बताते हुए कहा कि आत्मा और शरीर के भिन्न होने का ज्ञान ही भेद विज्ञान है। यह केवल अध्यात्म तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। बिना भेद विज्ञान के मोक्ष मार्ग संभव नहीं है तथा हेय-उपादेय का ज्ञान भी इसी में समाहित है। वे सुधासागर सभागार में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे।

थूवोनजी मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

थूवोनजी कमेटी के प्रचार मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि अमेरिका से पधारे अनिरुद्ध जैन (रिशु) ने मुंगावली में मुनिश्री के दर्शन कर अंचल के प्रमुख अतिशय क्षेत्र दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी स्थित एक मंदिर के जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी ली है। इस अवसर पर उन्होंने अपने परिजनों–संतोष कुमार, रोहित एवं राहुल सिंघई–के साथ मुनिश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। अनिरुद्ध जैन ने बताया कि विदेश में रहते हुए इस प्रकार के धार्मिक एवं परमार्थिक कार्यों के अवसर कम मिलते हैं। उन्होंने कहा कि अपने देश और संस्कृति के लिए कुछ करने की प्रेरणा उन्हें प्रवचन सुनकर मिली, जिसके फलस्वरूप उन्हें इस पवित्र तीर्थ में सेवा का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान कमेटी के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया, महामंत्री मनोज भैसरवास, पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई, मंत्री शैलेन्द्र दद्दा, हेमंत टड़ैया, अरविंद जैन (मक्कू), देवेन्द्र सिंघई, जैन समाज अध्यक्ष रूपेश जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका सम्मान किया।

ज्ञान जीवन को व्यवस्थित करता है

मुनिश्री ने कहा कि ज्ञान जीवन को व्यवस्थित करने में सहायक होता है। ज्ञान के माध्यम से सत्य को जाना जा सकता है। उन्होंने कुमति ज्ञान और सुमति ज्ञान सहित ज्ञान के विभिन्न रूपों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी कारणवश सत्य को स्पष्ट रूप से कह पाना संभव न हो, तो मौन रहकर भी सत्य का समर्थन किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अराजक तत्वों के सामने कई बार मौन रहना ही उचित होता है, क्योंकि ऐसे लोगों के सामने सत्य बोलने पर प्रतिक्रिया विपरीत हो सकती है। इंद्रियों और मन के माध्यम से जो ज्ञान प्राप्त होता है, उसे सुमति ज्ञान कहा जाता है।

जबलपुर में 16वां जैनत्व बाल संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर प्रारंभ, 350 से अधिक बच्चों की सहभागिता

जबलपुर. शाबाश इंडिया। जैन युवा फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित 16वां ''जैनत्व बाल संस्कार आवासीय शिक्षण शिविर'' 3 मई 2026 को विधिवत शुभारंभ के साथ प्रारंभ हुआ। ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित इस आवासीय शिविर में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 350 से अधिक बालक-बालिकाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पिछले 15 वर्षों से मध्यप्रदेश में निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित हो रहा यह शिविर बच्चों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं आध्यात्मिक चेतना के विकास का सशक्त माध्यम बन चुका है। शिविर का उद्देश्य आधुनिक जीवनशैली के बीच बच्चों को संस्कारों से जोड़ना और उन्हें बेहतर नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करना है। शिविर के प्रथम दिन प्रातः जागरण, प्रार्थना, योग एवं जिनेन्द्र अभिषेक-पूजन के साथ कार्यक्रमों की शुरूआत हुई। इसके पश्चात शिक्षण कक्षाएं, सामूहिक गतिविधियां एवं परिचय सत्र आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे शिविर के दौरान नियमित दिनचर्या के अंतर्गत अध्ययन, योग, ध्यान, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। शिविर की विशेषता यह है कि इसमें बाल मनोविज्ञान के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास, व्यवहार एवं आत्मविश्वास को सुदृढ़ बनाने में सहायक होंगी। साथ ही कहानी लेखन, समूह परिचर्चा, निबंध, चित्रकला एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा।

सुबोध महाविद्यालय में प्लास्टिक कलेक्शन ड्राइव का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा बिसलेरी के सीएसआर अभियान ''बोतल फॉर चेंज'' के संयुक्त तत्वावधान में प्लास्टिक कलेक्शन ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेणु जोशी ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना एवं प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने हेतु सामूहिक प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने-अपने घरों से अनुपयोगी प्लास्टिक सामग्री एकत्र कर ठरर कार्यालय में जमा कराई। अभियान के अंतर्गत कुल 90 किलोग्राम प्लास्टिक संग्रहित किया गया। इस दौरान ठरर स्वयंसेवकों द्वारा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों एवं उसके उचित निपटान के महत्व पर भी जानकारी दी गई। आयोजकों ने विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता अभियानों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया। इस अभियान में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पवन शर्मा, डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. विशाल गौतम एवं डॉ. राकेश धाभाई सहित स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।